प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-184 | सांध्य दैनिक | मथुरा, शनिवार, 29 अगस्त 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

पंचरत्नी पोशाक धारण कर कलहंस पुष्प बंगले में विराजेंगे कान्हा

यूनिक समय, मथुरा। चार सितंबर को कान्हा का जन्मोत्सव दिवय और भव्य होगा। श्रीकृष्ण जन्मस्था पर जन्म के बाद कान्हा विशेष पंचरत्नी पोशाक धारण कर कलहंस बंगले में विराजमान होंगे। जन्माष्टमी से जुड़े आयोजन को अलौकिक तरीके से मनाने से लिए श्रीकृष्ण जन्मस्थान संस्थान ने तैयारियां भी शुरू कर दी हैं।

शनिवार को यह जानकारी देते हुए श्रीकृष्ण जन्मस्थान संस्थान के सचिव कपिल शर्मा और सदस्य गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी ने बताया कि श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर भगवान श्रीकृष्ण का 5253वां जन्मोत्सव चार सितंबर को शास्त्रीय परंपराओं के अनुसार भव्य और दिव्य स्वरूप में मनाया जाएगा। श्रीकृष्ण

शनिवार को श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर वार्ता के दौरान कृष्ण जन्माष्टमी से जुड़े आयोजन की जानकारी देते संस्थान के सचिव कपिल शर्मा, सदस्य गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी।

जन्मस्थान सेवा संस्थान ने जन्मोत्सव की तैयारियां तेज कर दी हैं। इस बार ठाकुरजी कलहंस पुष्प बंगले में विराजमान होकर श्रद्धालुओं को दर्शन देंगे और विशेष पंचरत्नी पोशाक धारण करेंगे। उन्होंने बताया कि श्रीगर्भ गृह की सजावट में करीब 200 किलोग्राम चांदी का प्रयोग किया गया है।

इस बार नव निर्मित रजत कमल में विराजमान श्रीगोपालजी का जन्माभिषेक

श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर भव्य होगा 5253वां जन्मोत्सव

200 किलो चांदी से सजेगा गर्भगृह जन्माभिषेक होगा खास

मुख्य आकर्षण रहेगा। जन्माभिषेक से पहले 1008 कमल पुष्पों और तुलसीदल से सहस्त्रार्चन किया जाएगा। रात्रि 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य के साथ महाआरती होगी। इसके बाद कामधेनु स्वरूपा रजत—सुवर्ण गौ से अभिषेक कराया जाएगा। रजत कमल में विराजमान ठाकुरजी का जन्म—महाभिषेक भी इसी दौरान होगा। रात 12:45 बजे श्रृंगार आरती होगी।

पदाधिकारियों के अनुसार, जन्माष्टमी पर श्रद्धालुओं के प्रवेश की व्यवस्था सुबह 5:30 बजे से रात 1:30 बजे तक प्रस्तावित है। प्रवेश गोविंद द्वार, गेट नंबर तीन और निकास मुख्य द्वार, गेट नंबर एक से होगा। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए तीन स्थानों पर जूता और सामान घर बनाए जाएंगे। जन्मोत्सव के दौरान गौरक्षा—राष्ट्ररक्षा का संकल्प भी कराया जाएगा। एक से पांच सितंबर तक पंचदिवसीय श्रीकृष्ण लीला का आयोजन होगा। तीन सितंबर को शाम 5:30 बजे ठाकुरजी की विशेष पोशाक और श्रृंगार सामग्री के भव्य अर्पण—दर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

यह होती है पंचरत्नी पोशाक

संस्थान के सचिव कपिल कुमार के अनुसार, पंचरत्नी पोशाक में समुद्र मंथन से प्राप्त पांच रत्नों के प्रतीक कामधेनु गाय, पांचजन्य शंख, अमृत कलश, ऐरावत हाथी और कल्पवृक्ष को विशेष रूप से उकेरा गया है। ठाकुरजी को रत्नजड़ित मुकुट, बांसुरी और नवरत्न जड़ित कंठा सहित दिव्य आभूषणों से सजाया जाएगा। भगवती योगमाया को भी विशेष स्वर्ण मुकुट धारण कराया जाएगा।

रक्षाबंधन से मिला बाजार को दो सौ करोड़ का कारोबार

यूनिक समय, मथुरा। रक्षाबंधन पर्व बाजार को आर्थिक रूप से मजबूती दे गया। जिले के बाजारों में राखी पर्व पर मंगलवार और बुधवार को जमकर खरीदारी हुई। कई दिनों से बाजारों में छाई सुस्ती त्योहार की खरीदारी ने दूर कर दी। शहर के अलावा वृंदावन, कोसीकलां, गोवर्धन, छाता, मांट, राया, बलदेव और फरह के अलावा अन्य कस्बों और बड़े गांवों के बाजारों में भी खरीदारों की भीड़ दिखाई दी। राखी, मिठाई, घेवर, कपड़े, कॉस्मेटिक्स, ज्वेलरी और गिफ्ट आइटम की दुकानों पर ग्राहकों की आवाजाही बढ़ने से कारोबारियों के चेहरे खिल उठे।

रक्षाबंधन को लेकर बहनों ने भाइयों के लिए आकर्षक राखियों के साथ मिठाई और उपहारों की खरीदारी की। बाजार में पारंपरिक राखियों के अलावा डिजाइनर राखियों, बच्चों के लिए कार्टून वाली राखियों और फैंसी राखियों की खूब मांग रही। दुकानदारों ने भी ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए अलग—

अलग रेंज में राखियां उपलब्ध कराईं।

मिठाई कारोबार में त्योहार का सबसे अधिक असर देखने को मिला। मथुरा और वृंदावन की मिठाई की दुकानों पर पेड़ा, घेवर, बर्फी, ड्राईफ्रूट और अन्य मिठाइयों की बिक्री बढ़ी। रक्षाबंधन के लिए विशेष पैकिंग वाले मिठाई के डिब्बे और गिफ्ट पैक भी तैयार किए गए थे। जिले के प्रमुख बाजारों में मिठाई की दुकानों पर पर्व पर देर शाम तक ग्राहकों की कतार लगी रही।

कपड़े, कॉस्मेटिक्स और ज्वेलरी की दुकानों पर भी अच्छी बिक्री हुई। बहनों ने भाइयों के लिए कपड़े, घड़ी, पर्स और अन्य उपहार खरीदे, जबकि भाइयों ने बहनों को देने के लिए कॉस्मेटिक्स, आभूषण, साड़ी, सूट और गिफ्ट आइटम पसंद किए। छोटे दुकानदारों के साथ शोरूम और बड़े प्रतिष्ठानों में भी ग्राहक पहुंचे।

कारोबारियों का कहना है कि रक्षाबंधन की खरीदारी ने बाजार की सुस्ती दूर कर दी। जिले के बाजारों में 200 करोड़ रुपये से अधिक के कारोबार का अनुमान सामने आया है, जिसका असर जिले के बाजारों में भी

राखी पर्व की खरीदारी से बाजारों में लौटी रौनक

कारोबारियों को त्योहारी सीजन बेहतर रहने की आस

देखने को मिला। स्थानीय व्यापारियों के अनुसार, रक्षाबंधन से पहले दो दिनों में बिक्री सामान्य दिनों की अपेक्षा कई गुना बढ़ी। त्योहार के बाद जन्माष्टमी समेत अन्य पर्वों को लेकर भी बाजार में खरीदारी बढ़ने की उम्मीद है। बाजारों में सबसे ज्यादा मांग मिठाई, घेवर, राखी और गिफ्ट आइटम की रही। मथुरा और वृंदावन में श्रद्धालुओं और स्थानीय खरीदारों की भीड़ ने बाजार की रौनक और बढ़ा दी। इससे दुकानदारों को आगामी त्योहारी सीजन में बेहतर कारोबार की उम्मीद जगी है।

तीन को आएंगे सीएम योगी, श्रीकृष्ण जन्मभूमि में करेंगे दर्शन—पूजन

यूनिक समय, मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तीन और चार सितंबर को मथुरा के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, तीन सितंबर को मुख्यमंत्री दोपहर करीब 1:30 बजे राजकीय हेलीकॉप्टर से पवनहंस वृंदावन पहुंचेंगे। इसके बाद वे भक्ति स्थल मार्ग का भ्रमण-अवलोकन करेंगे।

इस दिन मुख्यमंत्री करीब 1:25 बजे गीता शोध संस्थान वृंदावन पहुंचकर विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। दोपहर 2:30 बजे से करीब 3:30 बजे तक तीर्थ विकास परिषद की समीक्षा बैठक में सहभागिता करेंगे। इसके बाद गीता शोध संस्थान, प्रेम महाविद्यालय के लोकार्पण-शिलान्यास, पौधारोपण, साधु—संतों के सम्मान सहित विभिन्न परियोजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित करने के कार्यक्रम में शामिल होंगे। शाम को मुख्यमंत्री बांके बिहारी मंदिर में दर्शन—पूजन करेंगे। इसके बाद वेटेरिनरी कालेज के

मुख्यमंत्री करेंगे परियोजनाओं की समीक्षा

अशोका अतिथि गृह में रात्रि विश्राम करेंगे। अगले दिन चार सितंबर को जन्माष्टमी के दिन मुख्यमंत्री सुबह करीब 9:55 बजे श्रीकृष्ण जन्मभूमि पहुंचेंगे। यहां वे गो—पूजन और श्रीकृष्ण जन्मभूमि के दर्शन—पूजन करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान का दौरा करेंगे। कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री सुबह करीब 11:10 बजे राजकीय हेलीकॉप्टर से मथुरा से रवाना होंगे।

भारतीय खाद्य प्राधिकरण ने न्यायालय में रखा प्रस्ताव

पैकेट पर लाल निशान बताएगा कितना नुकसानदायक है खाना

यूनिक समय, नई दिल्ली। अब पैकेट बंद खाद्य पदार्थ खरीदते समय ग्राहक को यह समझने में आसानी हो सकती है कि उसमें नमक, चीनी और वसा की मात्रा कितनी अधिक है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्ताव रखा है कि तय सीमा से अधिक नमक, चीनी या संतृप्त वसा वाले उत्पादों के पैकेट के सामने लाल रंग का षटकोण बनाकर चेतावनी दी जाए।

प्रस्ताव के अनुसार, पहले चरण में ऐसे उत्पादों पर चेतावनी लगेगी, जिनमें

नमक, चीनी या वसा में से कम से कम दो की मात्रा निर्धारित सीमा से अधिक होगी। इसमें अधिक मीठे शीतल पेय भी शामिल होंगे। दूसरे चरण में किसी एक पोषक तत्व की मात्रा सीमा से अधिक होने पर भी चेतावनी अनिवार्य करने का प्रस्ताव है।

ज्यादा नमक, चीनी वसा वाले उत्पादों पर होगी चेतावनी

पैकेट पर लाल रंग का षटकोण बनाया जाएगा

यह पहल एक जनहित याचिका के बाद सामने आई है। याचिकाकर्ता संस्था ने पैकेट बंद खाद्य पदार्थों पर स्पष्ट चेतावनी लगाने की मांग की थी। पिछली सुनवाई में सर्वोच्च न्यायालय ने नियम बनाने में देरी पर सवाल उठाए थे।

प्राधिकरण के अनुसार, सामने की ओर लगने वाला चेतावनी चिन्ह उपभोक्ताओं को खरीदारी के समय तुरंत जानकारी देगा। इससे लोग अधिक नमक, चीनी और अस्वास्थ्यकर वसा वाले उत्पादों से बचकर बेहतर विकल्प चुन सकेंगे। हालांकि, शुद्ध घी, खाद्य तेल, नमक, चीनी, गुड़ और शहद जैसे एकल सामग्री वाले उत्पादों को प्रस्तावित चेतावनी से बाहर रखने की बात कही गई है।

जन्माष्टमी की तैयारियों को अंतिम रूप दे रहा नगर निगम

जन्माष्टमी से जुड़ी तैयारियों की समीक्षा करते नगर आयुक्त ओजस्वी राज।

मंदिर मार्गों पर तीन पालियों में होगी विशेष सफाई

जलभराव, प्रकाश पेयजल और सुरक्षा व्यवस्था पर जोर

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महापर्व को भव्य, दिव्य, स्वच्छ और सुव्यवस्थित बनाने के लिए नगर निगम मथुरा–वृंदावन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने निगम के विभिन्न विभागों, अधिकारियों और सफाई व्यवस्था से जुड़ी कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समय से पहले पूरी करने के निर्देश दिए।

नगर आयुक्त ने कहा कि इस बार व्यवस्थाएं पिछले वर्षों की तुलना में अधिक प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण होनी चाहिए, ताकि देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

उन्होंने प्रमुख मंदिरों, मंदिर मार्गों, परिक्रमा मार्ग और अधिक भीड़ वाले क्षेत्रों में तीन पालियों में सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। नए सफाई कर्मचारियों को उनके कार्यक्षेत्र और जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से बताने के निर्देश भी दिए।

भंडारा पंजीकरण की धीमी गति पर नगर आयुक्त ने नाराजगी जताते हुए जल्द पंजीकरण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने भंडारा संचालकों को प्रतिबंधित एकल उपयोग प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं करने के लिए जागरूक करने और कचरा प्रबंधन की व्यवस्था पहले से सुनिश्चित करने को कहा। निर्माण विभाग को प्रमुख सड़कों की मरम्मत और सभी नालों–नालियों को ढकने का काम समय से पूरा कराने के निर्देश दिए गए। कृष्णलीला आधारित आकर्षक दीवार चित्र भी जल्द पूरे कराने को कहा गया।

सभी प्रकाश व्यवस्था की जांच कर खराब उपकरणों को दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। प्रमुख मार्गों पर सजावटी रोशनी लगाने के साथ विद्युत खंभों पर सुरक्षा के लिए रोधी टेप लगाने को कहा गया।

भूतेश्वर और नया बस स्टैंड अधोभूमि मार्ग पर पर्याप्त पंप रखने, जलभराव रोकने और पेयजल व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए। यमुना घाटों पर बैरिकेडिंग, चेतावनी बोर्ड और सुविधा केंद्रों की व्यवस्था के साथ खोया–पाया, चिकित्सा और पूछताछ केंद्र समय से तैयार करने को कहा गया। अधिकारियों को स्थलीय निरीक्षण के निर्देश दिए गए। बैठक में अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह, सुनीता कुमारी, सहायक नगर आयुक्त नीरज शर्मा, सहायक नगर आयुक्त अनुज कौशिक, महाप्रबंधक (जल) मोहम्मद अनवर ख्वाजा, मुख्य अभियंता (निर्माण) संजय सिंह, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. श्री राम गोपाल, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी नरेंद्र कुमार, क्षेत्रीय सफाई निरीक्षक महेश चंद्र, अवर अभियंता (विद्युत/यांत्रिक) शैलेश कुमार सहित जलकल-निर्माण विभाग के सभी सहायक,अवर अभियंता, सभी सफाई निरीक्षक, कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि, संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एक लाख गांवों तक पहुंचेगी श्रीकृष्ण जन्मभूमि की रजत शिला

अयोध्या में महंत नृत्य गोपाल दास ने विधि-विधान से किया पूजन

रजत शिला लेकर ब्रजभूमि आएंगे संत, जगह-जगह होगा स्वागत

रजत शिला का पूजन करते महंत नृत्य गोपाल दास।

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर निर्माण के संकल्प को लेकर तैयार की गई रजत (चांदी) की संकल्प शिला का अयोध्या स्थित मणिराम छावनी में महंत नृत्य गोपाल दास ने पूजन किया। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर–मस्जिद मामले के हिंदू पक्षकार दिनेश फलाहारी के आह्वान पर श्रावणी पर्व के अवसर पर यह पूजन किया गया। शिला के पूजन को लेकर ब्रज सहित देशभर के संतों और श्रद्धालुओं में उत्साह है।

मणिराम छावनी पहुंचने पर शिला की उत्तराधिकारी नयन कमल दास और सेवायत जानकी दास सहित संतों और श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर अगवानी की। इस दौरान भगवान श्रीकृष्ण और श्रीराम के जयकारे लगाए गए। दिनेश फलाहारी ने बताया कि रजत शिला को सबसे पहले पवित्र सरयू नदी में स्नान कराया गया। इसके बाद पूजन और महाआरती कराई गई। हनुमानगढ़ी में हनुमान जी के श्रीचरणों में पूजन के बाद शिला को राम मंदिर ले जाया गया, जहां भगवान राम की पावन धरा की रज से इसे संकल्पित किया गया।

उन्होंने बताया कि रजत संकल्प शिला को ब्रजभूमि सहित देशभर के प्रमुख धार्मिक स्थलों और एक लाख से अधिक पवित्र गांवों में पूजन के लिए ले जाया जाएगा। इस अभियान के लिए ब्रज धर्माचार्य परिषद के महामंत्री पं. राजेश पाठक को प्रभारी नियुक्त किया गया है।

प्रभारी राजेश पाठक ने बताया कि एक सितंबर को रजत संकल्प शिला विशेष वाहन से धूमधाम के साथ ब्रजभूमि में प्रवेश करेगी। विभिन्न स्थानों पर इसके स्वागत की तैयारियां की जा रही हैं। सबसे पहले शिला को श्रीधाम वृंदावन ले जाया जाएगा, जहां संत–महंत और श्रद्धालु इसका पूजन करेंगे। कार्यक्रम में आचार्य अनिल कृष्ण शास्त्री, जयराम शर्मा, संत हरिदास बाबा, सुभाष शर्मा, पं. राजेश शास्त्री और गोविंद देव शर्मा सहित कई लोग मौजूद रहे।

कर्मचारी पर गंभीर आरोप, स्थानांतरण की मांग

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ ने डीपीआरओ कार्यालय में करीब कई सालों से तैनात वरिष्ठ कर्मचारी महेंद्र सिंह के खिलाफ जांच और तत्काल स्थानांतरण की मांग की है। संघ ने इस संबंध में सफाई कर्मचारी आयोग, प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन समेत संबंधित अधिकारियों को पत्र भेजा है। संघ के जिला मंत्री जगत चौधरी ने पत्र में आरोप लगाया गया है कि महेंद्र सिंह लंबे समय से डीपीआरओ कार्यालय में तैनात हैं और एक ही जनपद में कुंडली मारकर बैठे हुए हैं। संघ ने उन पर कर्मचारियों का आर्थिक और मानसिक शोषण करने सहित कई गंभीर आरोप लगाए हैं। कर्मचारियों से एरियर, 10/16 की प्रथम और एसीपी द्वितीय पदोन्नति का लाभ दिलाने के नाम पर सुविधा शुल्क मांगने के आरोप हैं। पत्र में यह भी कहा गया है कि वर्ष 2019 के वेतन की दूसरी किस्त के रूप में करीब 20,500 रुपये का भुगतान कर्मचारियों को अब तक नहीं किया गया। संघ ने कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई है।

जन्मभूमि क्षेत्र का डीएम ने किया निरीक्षण

श्रद्धालुओं की सुविधाओं का जायजा लिया, एसएसपी और नगर आयुक्त ने व्यवस्थाओं पर दिए निर्देश

शुक्रवार देर रात जन्मभूमि क्षेत्र का भ्रमण करते डीएम चंद्रप्रकाश सिंह, साथ हैं एसएसपी श्लोक कुमार,नगर आयुक्त ओजस्वी राज।

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शुक्रवार रात करीब 10 बजे डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने एसएसपी श्लोक कुमार और नगर आयुक्त ओजस्वी राज सहित अधिकारियों के साथ श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर और आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लेकर संबंधित विभागों को जरूरी सुधार के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान भीड़ प्रबंधन, यातायात, प्रवेश और निकास मार्ग, साफ–सफाई, सुरक्षा और क्षेत्र के सौंदर्यीकरण की स्थिति देखी गई। अधिकारियों ने संभावित भीड़ को ध्यान में रखते हुए श्रद्धालुओं के आवागमन को सुगम बनाने पर जोर दिया। नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने अधिकारियों को जन्मभूमि क्षेत्र में नियमित सफाई कराने और समय से कूड़ा उठवाने के निर्देश दिए। वहीं, एसएसपी श्लोक कुमार ने सुरक्षा और यातायात संचालन की तैयारियों की समीक्षा की।

डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने कहा कि जन्माष्टमी पर देश–विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। ऐसे में सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें और व्यवस्थाओं को समय रहते पूरा करें। निरीक्षण के दौरान जन्मभूमि क्षेत्र के आसपास चल रहे कार्यों की भी जानकारी ली गई।

अष्टधातु की मूर्ति बेचने निकला युवक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना कोतवाली पुलिस ने चोरी की अष्टधातु की मूर्ति बेचने की कोशिश कर रहे 20 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से करीब 20 किलोग्राम वजनी अष्टधातु की मूर्ति और उसी मूर्ति का कटा हुआ बायां हाथ बरामद किया है। मामले में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी गई है।

28 अगस्त को उपनिरीक्षक संजीव कुमार, उपनिरीक्षक मुश्ताक मेहदी, कांस्टेबल धीरज सिंह और कांस्टेबल धर्मेंद्र कुमार निजी वाहन से थाना क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान गोवर्धन चौराहे पर मुखबिर ने सूचना दी कि एक युवक चोरी की अष्टधातु की मूर्ति लेकर मोती मंजिल के सामने वाली गली में खड़ा है और उसे बेचने की कोशिश कर रहा है। पुलिस टीम मौके पर पहुंची। मुखबिर ने एक युवक की ओर इशारा

20 किलो की मूर्ति और मूर्ति का कटा बायां हाथ बरामद

पकड़े गए युवक के पिता लाए थे मूर्ति पुलिस करेगी पूछताछ

करते हुए बताया कि उसके कंधे पर सफेद कपड़े में मूर्ति लिपटी हुई है। पुलिस के आगे बढ़ते ही युवक घबरा गया और भागने का प्रयास करने लगा। पुलिसकर्मियों ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम रोनित चौधरी निवासी राजनगर कॉलोनी, एटीवी के पास, थाना हाईवे, मथुरा बताया। तलाशी लेने पर उसके कंधे पर सफेद कपड़े में लिपटी वस्तु मिली। कपड़ा खोलने पर पीली धातु की मूर्ति और उसी का कटा हुआ बायां हाथ बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार दोनों का कुल वजन करीब 20 किलोग्राम है। मूर्ति की लंबाई लगभग डेढ़ फीट है। बरामद मूर्ति के दाहिने हाथ में बंद कमल की कली, हथेली पर त्रिकोण के भीतर कमल का फूल और बाईं ओर स्वास्तिक का निशान बताया गया है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसके पिता हेमेन्द्र सिंह बस चलाते हैं और वही मूर्ति कहीं से चोरी करके लाए थे। आरोपी के अनुसार, उसके पिता ने मूर्ति उसे बेचने के लिए दी थी। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि आरोपी को शनिवार सुबह करीब 10 बजे गिरफ्तार किया गया। पुलिस अब मूर्ति के वास्तविक स्त्रोत, उसके चोरी होने की घटना और उसे आरोपी तक पहुंचाने वाले लोगों की जानकारी जुटा रही है। आरोपी द्वारा बताए गए उसके पिता हेमेन्द्र सिंह की भूमिका की भी जांच की जाएगी।

रास्ता रोककर गाली गलौज और घर में घुस कर मारपीट का आरोप

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली थाना क्षेत्र के नया नगला इलाके में एक महिला के साथ रास्ता रोककर गाली–गलौज, धमकी देने और बाद में घर में घुसकर मारपीट करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता शमा निवासी गली नंबर छह नया नगला, डैम्पियर नगर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 27 अगस्त 2026 की शाम करीब सात बजे वह अपनी गली से निकलकर दुकान की ओर जा रही थीं। इसी दौरान अरमान और इमरान, दोनों निवासी गली नंबर छह ने उनका रास्ता रोक लिया। आरोप है कि दोनों ने उनके साथ गाली–गलौज और बदतमीजी की। आरोप है कि इस पर दोनों ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी। डर के कारण वह अपने घर वापस चली गईं। घर पहुंचने के बाद अरमान और इमरान घर में घुस आए और उनके साथ मारपीट की। पीड़िता ने धारदार हथियार से हमला किए जाने का भी आरोप लगाया है। घटना के दौरान पति और बेटे के आने पर उन्हें सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका मेडिकल कराया गया।

रक्षाबंधन पर सजा कुश्ती दंगल पहलवानों ने दिखाया दम–खम

पहलवानों के हाथ मिलवाते केहरी पहलवान।

यूनिक समय, राया। रक्षाबंधन पर्व पर कस्बे के गोपालबाग मैदान में विशाल कुश्ती दंगल आयोजित हुआ। दंगल में आसपास के क्षेत्रों सहित दूर–दराज से आए पहलवानों ने विभिन्न भार वर्गों में जोर–आजमाइश की। रोमांचक मुकाबले देखने के लिए मैदान में बड़ी संख्या में दर्शक जुटे रहे और पहलवानों का उत्साहवर्धन किया।

दंगल का शुभारंभ आयोजक केहरी सिंह पहलवान ने अखाड़े में उतरे पहलवानों का हाथ मिलवाकर कराया। इसके बाद एक के बाद एक कई मुकाबले हुए।

बबलू मई और भोला तिरवाया, मनीष गुड़ेरा और खेमू पहलवान सौंख, सचिन सारस और अजय जावरा, मनीष सारस और शेरी पहलवान सौंख, रंजीत खजूरी और विनोद सौंख, ललित नगला और हरगोविंद सौंख के बीच हुई कुश्तियां बराबरी पर छूटीं।

वहीं गणेश पहलवान और आरिफ

हरिओम और हर्ष की आखिरी कुश्ती रही बराबरी पर

पहलवान के बीच हुए मुकाबले में गणेश ने बाजी मार ली। इसके बाद दंगल की सबसे रोमांचक आखिरी कुश्ती उत्तर प्रदेश केसरी हरिओम पहलवान और हाथरस के हर्ष पहलवान के बीच हुई। दोनों पहलवानों ने पूरे दमखम के साथ एक–दूसरे को पटखनी देने का प्रयास किया। काफी देर तक चले मुकाबले में दोनों ने शानदार दांव–पेंच दिखाए, लेकिन कोई भी निर्णायक बढ़त हासिल नहीं कर सका। अंततः मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ।

दंगल कमेटी की ओर से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पहलवानों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर अफजाल शाह, अजीत पहलवान, हरेंद्र सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

करंट से एक किशोरी की मौत, दो लोग घायल

यूनिक समय, सुरीर। कोतवाली के गांव सुदामागढ़ी में बारिश के चलते बिजली के उपकरणों में अचानक करंट आने के कारण एक किशोरी की करंट लगने से मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग करंट से घायल हो गए। बिजली का करंट आने के कारण ग्रामीण इलाके में दहशत फैली हुई है। हर कोई करंट के डर से डरा हुआ है।

सुदामागढ़ी निवासी जितेंद्र के घर में बिजली के उपकरणों में करंट आने लगा। इस बात का किसी को अंदाजा नहीं था। जितेंद्र की 14 वर्षीय पुत्री दीक्षा घर में बिजली की मोटर लगी सिलाई मशीन से किसी कपड़े को सीने के लिए मशीन चलाने लगी। मशीन में आ रहे बिजली का तेज करंट उसे लगा परिवार के लोगों को जब इस बात का पता लगा तो किसी तरह से दीक्षा को बिजली बंद करने के बाद अलग किया और उसे चिकित्सक के पास ले गए,

बरसात से बिजली के उपकरणों में आ रहा है करंट ग्रामीणों में फैली दहशत

लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना से परिवार में मातम छा गया। वहीं दूसरी घटना में परमा नंद कपड़ों पर प्रेस कर रहा था। प्रेस में आ रहे करंट से वह बुरी तरह झुलस गया। गनीमत रही कि किसी तरह परिवार के लोगों ने उसे बचा लिया। इसी तरह कुलदीप की पुत्री नूपर (14) को भी करंट लगा जिससे वह भी बुरी तरह से घायल हो गई।

गांव में बिजली के उपकरणों में करंट आने के कारण ग्रामीण और उनके परिवारों में दहशत का माहौल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। ग्रामीणों ने बिजली अधिकारियों से बिजली के उपकरणों में आने वाले करंट को ठीक करने की मांग की है।

चोरी की बकरियां बरामद चार आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोविंदनगर पुलिस ने चेकिंग के दौरान बकरी चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की बकरियां बेचकर प्राप्त रकम, अवैध तमंचा–कारतूस समेत चोरी की घटनाओं में प्रयुक्त वाहन बरामद किए हैं। कार्रवाई के दौरान एक आरोपी मौके से भागने में सफल रहा।

पुलिस के अनुसार, 29 अगस्त को उपनिरीक्षक मयंक वत्स टीम के साथ चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान मसानी लिंक रोड से पुरानी रेलवे लाइन की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते के पास एक मैक्स पिकअप संदिग्ध अवस्था में आती दिखाई दी। पुलिस ने वाहन को रोकने का प्रयास किया तो चालक वाहन लेकर तेज गति से भागने लगा। पुलिस ने पीछा कर वाहन को रोक लिया। पूछताछ में वाहन सवारों ने अपना नाम मुन्ना निवासी घीयामंडी थाना कोतवाली, समीर निवासी घीयामंडी थाना कोतवाली बताया। तलाशी में मुन्ना के कब्जे से एक तमंचा 315 बोर, दो जिंदा कारतूस और 10,350 रुपये, समीर के कब्जे से दो जिंदा कारतूस और 7,150 रुपये बरामद हुए। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने अपने अन्य साथियों के नाम रिजवान निवासी इस्लामिया इंटर कॉलेज थाना कोतवाली, नालसर निवासी मटिया गेट मेवाती मोहल्ला थाना गोविंदनगर बताए। पुलिस ने दबिश देकर रिजवान और नालसर को भी गिरफ्तार कर लिया। इनके कब्जे से भी कारतूस बरामद हुए पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक मैक्स पिकअप, एक कार और एक मोटरसाइकिल बरामद की। तलाशी के दौरान कार से एक पोनीया, दो आधार कार्ड और 800 रुपये भी मिले। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने बकरी चोरी की कई घटनाओं में शामिल होने की बात बताई है।

चाय की दुकान में हजारों की चोरी

यूनिक समय, मथुरा। थाना राया क्षेत्र स्थित राया रेलवे क्रासिंग के समीप चाय, बीड़ी सिगरेट आदि की दुकान में चोरों ने रात में धावा बोलकर हजारों रुपये का सामान चोरी कर लिया। पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। बताया गया कि राया रेलवे क्रासिंग के समीप कपिल की चाय, नमकीन बीड़ी सिगरेट आदि की दुकान है। वह रात को करीब 11 बजे दुकान को बंद करने के बाद घर चला गया। अगले दिन जब दुकान पर आया तो यह देख कर दंग रह गया कि चोरों ने दुकान का पिछला हिस्सा काट कर दुकान में रखा हजारों का सामान चोरी कर लिया। दुकान में हुई चोरी की वारदात का पता लगने पर आस–पास के दुकानदार भी एकत्रित हो गए।

सड़क पार करते वृद्ध को बाइक ने टक्कर मारी, हुई मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना राया के बिचपुरी चौकी इलाके में एक वृद्ध को सड़क पार करने के दौरान बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वृद्ध की मौत हो गई। बताया गया कि गांव सुथरिया निवासी कोमल सिंह की बिचपुरी के समीप साइकिल की दुकान है। कोमल सिंह के पिता पदम सिंह (65) कल सायं को बेटे की दुकान पर जाने के लिए सड़क पार कर रहे थे। इसी बीच तेज गति से आते बाइक सवार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। बाइक की टक्कर से वृद्ध सड़क पर घायल होकर गिर गया। दुर्घटना को देख वहां लोगों की भीड़ लग गई। कोमल तुरंत लोगों के सहयोग से पिता को लेकर हॉस्पिटल के लिए दौड़ा। हॉस्पिटल जाते समय रास्ते में उनकी मौत हो गई। हॉस्पिटल में चिकित्सकों ने परीक्षण करने के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने पदम सिंह के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सर्वर ठप होने से जिला अस्पताल में मरीज बेहाल

यूनिक समय, मथुरा। महर्षि दयानंद सरस्वती जिला अस्पताल में शनिवार को सर्वर की समस्या के चलते मरीजों को पंजीकरण कराने के लिए घंटों परेशान होना पड़ा। अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचे महिला और पुरुष मरीज पर्चा बनवाने के लिए लंबी कतारों में खड़े नजर आए। सर्वर ठीक से काम नहीं करने के कारण ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया प्रभावित रही।

रक्षाबंधन पर्व के चलते रविवार को अस्पताल में अवकाश रहेगा। ऐसे में शनिवार को ही बड़ी संख्या में मरीज इलाज कराने जिला अस्पताल पहुंच गए। मरीजों की संख्या अधिक होने के साथ सर्वर की समस्या ने परेशानी और बढ़ा दी। पंजीकरण खिड़की पर मरीजों की लंबी कतार लग गई। कई मरीज काफी देर तक अपनी बारी का इंतजार करते रहे। बताया गया कि सर्वर काफी देर तक ठप रहने के कारण ऑनलाइन पर्चे बनाने में कर्मचारियों को दिक्कत आई।

जिला अस्पताल में पंजीकरण कराने को लाइन में लगी महिलाएं।

पंजीकरण खिड़की पर मौजूद कर्मचारी कुछ मरीजों को वरिष्ठ नागरिकों के लिए निर्धारित पांच नंबर कक्ष की ओर भेज रहे थे। वहां पहुंचने पर कई मरीजों को वापस भेज दिया गया। इससे मरीजों को अस्पताल में एक स्थान से दूसरे स्थान तक चक्कर लगाने पड़े। घंटों इंतजार के बाद भी जब समस्या का समाधान नहीं हुआ तो मरीजों में नाराजगी दिखाई दी। कई मरीजों का कहना था कि इलाज के लिए अस्पताल पहुंचने के बाद सबसे पहले पर्चा बनवाने में ही काफी समय लग गया। सर्वर व्यवस्था बाधित होने से अस्पताल की पंजीकरण प्रक्रिया पूरी तरह प्रभावित रही।

मामले की जानकारी जब मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. नीरज अग्रवाल

पर्चा बनवाने को घंटों कतार में खड़े रहे मरीज

हाथ से पर्चे बनने के बाद भी कम नहीं हुई भीड़

को हुई तो उन्होंने तत्काल कर्मचारियों को हाथ से पर्चे बनाने के निर्देश दिए। इसके बाद मरीजों को राहत देने के लिए मैनुअल पर्चे बनाए जाने लगे। हालांकि मरीजों की संख्या अधिक होने के कारण लंबी कतार बनी रही। मरीजों का कहना था कि अस्पताल में रोजाना बड़ी संख्या में लोग इलाज के लिए आते हैं। ऐसे में सर्वर व्यवस्था बाधित होने पर वैकल्पिक व्यवस्था तत्काल सक्रिय होनी चाहिए, ताकि मरीजों को घंटों कतार में खड़े होकर परेशानी न उठानी पड़े।

चलती कार में लगी आग, पुलिस ने बचाई सवारों की जान

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोवर्धन क्षेत्र के जमुनावता–महमदपुर मार्ग पर शुक्रवार रात चलती कार में अचानक आग लगने से अफरा–तफरी मच गई। कार में सवार लोग कुछ समझ पाते, इससे पहले आग तेजी से फैलने लगी।सूचना मिलते ही अड़ींग चौकी प्रभारी प्रदीप भदौरिया पुलिस टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए कार में सवार सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इसके बाद मौके पर पहुंची दमकल टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस की समय पर कार्रवाई से कार में सवार लोगों की जान बच गई और बड़ा हादसा होने से टल गया। आग लगने के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका। घटना के बाद मार्ग पर कुछ देर के लिए अफरा–तफरी का माहौल रहा।

महंत राजू दास की गिरफ्तारी को किया प्रदर्शन

डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन करते कांग्रेसी और दूसरे दलों के कायकर्ता।

कांग्रेस सहित दूसरे दल के लोग पहुंचे डीएम कार्यालय

यूनिक समय,मथुरा। टीवी चैनल की लाइव चर्चा के दौरान कांग्रेस प्रवक्ता को महंत राजू दास द्वारा कथित रूप से अपशब्द कहे जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। शनिवार को निषाद समाज ने कांग्रेस नेताओं के साथ सिविल लाइंस से कलेक्ट्रेट तक पैदल मार्च किया। प्रदर्शनकारियों ने करीब आधा किलोमीटर पैदल चलकर महंत राजू दास के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

कुंवर सिंह निषाद के नेतृत्व में पहुंचे लोगों ने आरोप लगाया कि अपशब्द केवल कुंवर सिंह निषाद के लिए नहीं, बल्कि पूरे निषाद समाज के लिए कहे गए हैं। कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शनकारियों ने जमकर नारेबाजी की और डीएम को ज्ञापन देने की मांग की।

डीएम के कार्यालय में मौजूद नहीं होने पर प्रदर्शनकारी नाराज हो गए और धरने पर बैठ गए। करीब एक घंटे तक नारेबाजी के बावजूद कोई अधिकारी वार्ता करने नहीं पहुंचा तो आक्रोश और बढ़ गया। कुंवर सिंह निषाद ने डीएम को देने के लिए लाया गया ज्ञापन फाड़ दिया। उन्होंने कहा कि एसएसपी से चार बार मिलने का समय मांगा, लेकिन मुलाकात नहीं हुई। अब बड़ा आंदोलन किया जाएगा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर ने कहा कि भाजपा की सरकार में सरकारी संरक्षण प्राप्त लोग बेलगाम हो गए हैं।

इस मौके पर यूथ कांग्रेस प्रदेश महासचिव अनाम धन्य तिवारी, कम्युनिस्ट नेता गफ्फार अब्बास एडवोकेट, यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष दुर्गेश बघेल, देवेंद्र निषाद, बालवीर निषाद, मुकेश निषाद, भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष सोनू फौजी, माधव गौतम एडवोकेट, देवकीनंदन एडवोकेट, शालू सिकरवार एडवोकेट, देवकीनंदन कश्यप, डॉ. पुरुषोत्तम निषाद, डालचंद निषाद एडवोकेट आदि शामिल रहे।

मथुरा के बैडमिंटन और शतरंज खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत करते मंडल रेल प्रबंधक।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर रेलवे खिलाड़ियों को किया पुरस्कृत

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय खेल दिवस पर मंडल खेलकूद संघ, उत्तर मध्य रेलवे आगरा की ओर से मथुरा और आगरा में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता खिलाड़ियों को मंडल रेल प्रबंधक ने रेलवे अधिकारी क्लब आगरा में ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया गया। मथुरा में आयोजित बैडमिंटन प्रतियोगिता के पुरुष एकल वर्ग में रेलवे इंटेलिजेंस, मथुरा के अभिनव कौकेरिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। लोको पायलट ललित कुमार द्वितीय और गार्ड प्रेम कुमार चौधरी तृतीय स्थान पर रहे।अंडर–14 बैडमिंटन प्रतियोगिता में शाश्वत चौधरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि यश खत्री और ऋत्विक धनगर ने द्वितीय स्थान हासिल किया। महिला एकल वर्ग में श्रेया गुप्ता प्रथम, समायरा खत्री द्वितीय और उर्वी फौजदार तृतीय स्थान पर रहीं। शतरंज प्रतियोगिता में आशीष कुमार ने प्रथम स्थान, बोमेश कटरा ने द्वितीय, शाश्वत चौधरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंडर–12 शतरंज प्रतियोगिता में अरशिता कुशवाहा प्रथम और प्रिंस सोलंकी द्वितीय स्थान पर रहे।

विश्व हिंदू रक्षा परिषद के प्रदर्शन को लेकर अलर्ट

यूनिक समय, मथुरा। विश्व हिंदू रक्षा परिषद की ओर से 30 अगस्त को प्रस्तावित प्रदर्शन को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट हो गया है। परिषद ने वृंदावन परिक्रमा मार्ग पर मास–मदिरा प्रतिबंध और मंदिर निर्माण सहित विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन का ऐलान किया है। इसके लिए परिषद की ओर से बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं को मथुरा पहुंचने का आह्वान किया गया है। दावा है कि अलग–अलग जिलों से परिषद के कार्यकर्ता शनिवार को ही मथुरा के लिए रवाना हो रहे हैं। वहीं, प्रदेश अध्यक्ष बादल यादव के नेतृत्व में हजारों कार्यकर्ताओं के मथुरा पहुंचने की बात कही जा रही है। परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं के रविवार सुबह लखनऊ से मथुरा के लिए रवाना होने की योजना है। प्रस्तावित प्रदर्शन को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। परिक्रमा मार्ग समेत प्रमुख स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती और निगरानी की तैयारी की जा रही है। परिषद से जुड़े लोगों के अनुसार, रविवार को मथुरा में बड़ा प्रदर्शन प्रस्तावित है। कार्यकर्ताओं और समर्थकों के शाम चार बजे बारहघाट धरना स्थल पर पहुंचने की बात कही गई है। प्रदर्शन को देखते हुए प्रशासन की नजर बाहर से आने वाले लोगों और वाहनों पर भी रहेगी।

केशवदेव मंदिर में चार सितंबर को मनेगी जन्माष्टमी

यूनिक समय, मथुरा। शहर के मल्लपुरा स्थित प्राचीन ठाकुर श्री केशवदेव मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव चार सितंबर को हर्षोल्लास से मनाया जाएगा। आयोजन प्रबंध समिति, समस्त गोस्वामी परिवार और श्रीकृष्ण सामूहिक संकीर्तन मंडल के संयुक्त तत्वावधान में होगा। मंदिर में तैयारियां शुरू हो गई हैं। चार सितंबर को रात आठ बजे से मध्यरात्रि 12 बजे तक भजन संध्या होगी, जिसमें प्रसिद्ध भजन गायक भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति से जुड़े भजनों की प्रस्तुति देंगे। रात 10 से 11 बजे तक सेवायत जगदीश प्रसाद गोस्वामी और भगवत स्वरूप गोस्वामी की मौजूदगी में शहनाई वादन और मंत्रोच्चारण के बीच भगवान का अभिषेक होगा। इसमें 101 किलोग्राम दूध, दही, बूरा, शहद, घी, पंचमेवा और सुगंधित जड़ी–बूटियों का प्रयोग होगा। मध्यरात्रि में रत्नजड़ित पोशाक में रजत सिंहासन पर विराजमान भगवान के जन्म दर्शन होंगे। भंडारे में सुबह से प्रसाद वितरित होगा। पांच सितंबर को सुबह छह से रात 10 बजे तक दर्शन होंगे। सुबह नौ बजे नंदोत्सव और बधाई गायन होगा। नंद बाबा–यशोदा स्वरूप में बधाई लुटाई जाएगी। जानकारी मीडिया प्रभारी नारायण प्रसाद शर्मा ने दी।

मौसम बदला तो वायरल ने बढ़ाई मरीजों की भीड़

यूनिक समय, मथुरा। मौसम में लगातार हो रहे बदलाव का असर अब लोगों के स्वास्थ्य पर दिखाई देने लगा है। जिला अस्पताल की फिजिशियन ओपीडी में वायरल संक्रमण से पीड़ित मरीजों की संख्या भी बढ़ गई है। इन दिनों रोजाना करीब 180 मरीज फिजिशियन को दिखाने पहुंच रहे हैं। इनमें लगभग 100 मरीज सर्दी–जुकाम, खांसी, बुखार, गले में खराश और बदन दर्द जैसी वायरल संबंधी शिकायतों से पीड़ित हैं। साथ ही श्वांस संबंधी रोगियों की संख्या में भी इजाफा हुआ है। मरीज वृंदावन क्षेत्र से भी उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंच रहे हैं। जिला अस्पताल के फिजिशियन डॉ. रवि माहेश्वरी ने बताया कि मौसम में बदलाव के कारण वायरल संक्रमण और सांस संबंधी बीमारियों के मरीज बढ़े हैं। रोजाना करीब 180 मरीज ओपीडी में परामर्श के लिए आ रहे हैं।

जिला अस्पताल में मरीजों को देखते डा. रवि माहेश्वरी।

इनमें लगभग 100 मरीज वायरल के लक्षणों वाले हैं। वहीं करीब तीन दर्जन मरीज श्वांस से संबंधित समस्या लेकर पहुंच रहे हैं।

इनमें खांसी, सांस लेने में परेशानी और अन्य श्वांस संबंधी शिकायतें शामिल हैं। फिजिशियन की ओपीडी में वायरल के अलावा उल्टी–दस्त के करीब 15 मरीज रोजाना पहुंच रहे हैं। लगभग 15 मरीज खून की कमी की शिकायत लेकर आ रहे हैं। इसके अलावा पेट दर्द और अन्य सामान्य बीमारियों से पीड़ित मरीज भी उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। मरीजों की बढ़ती संख्या के कारण अस्पताल की ओपीडी में भीड़ बनी हुई है।

फिजिशियन की ओपीडी में रोजाना पहुंच रहे करीब 180 मरीज

सौ के आसपास वायरल से पीड़ित, श्वांस रोगियों की संख्या बढ़ी

डॉ. माहेश्वरी ने बताया कि मौसम बदलने के दौरान लोगों को स्वास्थ्य के प्रति विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। इस समय बहुत ठंडा पानी पीने से बचना चाहिए। खुले में या काफी देर से रखे खाद्य पदार्थों का सेवन नहीं करना चाहिए। साफ–सफाई का ध्यान रखने के साथ पर्याप्त मात्रा में पानी पीना और मौसम के अनुसार कपड़े पहनना जरूरी है। वायरल के लक्षण दिखाई देने पर लापरवाही करने के बजाय चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए।

यूनिक समय
स्वामी पवन गौतम के लिए, राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक–पवन गौतम
फोन नंबर–0565-3550761
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

राधा कृष्ण इंटर कॉलेज उस्फार बना हॉकी चैंपियन

राष्ट्रीय खेल दिवस पर हुई प्रतियोगिता, 31 अगस्त को होगा पुरस्कार वितरण समारोह

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय खेल दिवस पर खेल निदेशालय के तत्वावधान में जिला खेल कार्यालय स्व. मोहन पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम गणेशरा में 29 से 31 अगस्त तक विभिन्न खेल गतिविधियों और प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा।

शनिवार को कायक्रम का शुभारंभ मथुरा-वृंदावन के विधायक श्रीकांत शर्मा ने मेजर ध्यानचंद के चित्र पर माल्यार्पण करके किया। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ आगे बढ़ने का आह्वान करते हुए शपथ भी दिलाई। परियोजना निदेशक डीआरडीए एके उपाध्याय ने विधायक का स्वागत किया। उप क्रीड़ा अधिकारी आजाद सिंह ने स्मृति चिन्ह भेंट किया।

जिला स्तरीय अंडर-14 बालक ध्यानचंद हॉकी प्रतियोगिता में जनपद की छह टीमों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के पहले मैच में श्री राधा कृष्ण इंटर कॉलेज उस्फार ने जीएसवी इंटर कॉलेज को 6-1 से हराया। दूसरे मैच में बीएसए अकादमी ने ग्रास रूट हॉकी अकादमी को 3-2 से पराजित किया। पहले सेमीफाइनल में राधा कृष्ण इंटर कॉलेज ने स्टेडियम बी को 3-0 से शिकस्त दी।

प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों से परिचय लेते विधायक श्रीकांत शर्मा।

दूसरे सेमीफाइनल में स्टेडियम ए ने बीएसए अकादमी को 2-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबला राधा कृष्ण इंटर कॉलेज उस्फार और स्टेडियम ए के बीच हुआ। रोमांचक मुकाबले में राधा कृष्ण इंटर कॉलेज उस्फार ने स्टेडियम ए को 3-2 से हराकर प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया।

प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका मोहित, गौरव, विशाल, कृतिका, विशाल ठाकुर और मोहित ने निभाई। राष्ट्रीय खेल दिवस कार्यक्रम के तहत रविवार को सुबह सात बजे स्टेडियम के मुख्य द्वार से राधापुरम तक साइकिल रैली निकाली जाएगी। 31 अगस्त को सुबह 10 बजे बालक वर्ग की कुश्ती और बालिका वर्ग की जूडो प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। शाम पांच बजे समापन पर पुरस्कार कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी द्वारा दिए जाएंगे। इस मौके पर जिला हॉकी संघ के सचिव शैलेश मिश्रा, एथलेटिक्स संघ के सचिव जयसिंह सहित विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारी, खिलाड़ी उपस्थित रहे।

भाई को राखी बांधकर लौटती बहन की मौत

यूनिक समय, मथुरा। रक्षाबंधन पर भाइयों को राखी बांधकर बेटे के साथ बाइक से घर लौट रही बहन को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में बहन की मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया।

कस्बा के सीमेंट रोड निवासी भरत सिंह कुशवाह की पत्नी सपना देवी (45) शुक्रवार सुबह करीब नौ बजे अपने पुत्र भूपेंद्र के साथ रक्षाबंधन मनाने के लिए बाइक से मायके फतेहपुर सीकरी गई हुई थी। अपने भाइयों को राखियां बांधकर शाम करीब पांच बजे बाइक से वह बेटे भूपेंद्र के साथ आ रही थी।

गांव गुनसारा, भरतपुर के समीप बाइक को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गिर गई। हादसे में सपना देवी की मौके पर ही मौत हो गई। भूपेंद्र बाल-बाल बच गया। सूचना पर कुम्हेर पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने मृतक सपना देवी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। महिला की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। गुनसारा चौकी प्रभारी जसवंत सिंह का कहना है कि अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है।

अनंत चतुर्दशी पर होंगे अलौकिक छप्पन भोग के दिव्य दर्शन

गोवर्धन की तलहटी बनेगी हरिप्रियतिमा कमल दल पर शेषनाग में विराजेंगे गिरिराज प्रभु

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन की गिरिराज तलहटी में अनंत चतुर्दशी पर 25 सितंबर को भक्ति, आस्था और अलौकिक श्रृंगार का अद्भुत संगम दिखेगा। श्री गिरिराज सेवा समिति की ओर से आयोजित होने वाले छप्पन भोग महोत्सव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। सावन पूर्णिमा को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सप्त ध्वजा पूजन किया गया। कोलकाता और उड़ीसा से आए कारीगर छप्पन भोग स्थल को आकर्षक रूप देने में जुट गए हैं। पूरे परिसर को राजमहल, कुंज और प्राकृतिक हरियाली से सजाया जाएगा। समिति के संस्थापक मुरारी अग्रवाल ने सप्त ध्वजा का पूजन कर छप्पन भोग महोत्सव के शुभारंभ को ब्रज और ब्रजवासियों का मनोरथ बताया। समिति के महामंत्री अशोक कुमार आढ़ती ने बताया कि सात दिवसीय महोत्सव के तहत 18 सितंबर को अन्नपूर्णा रथ रवाना होगा। 19 को भट्टी पूजन और वर्ण बंधन के साथ आयोजन की विधिवत शुरुआत होगी। 23 को दुग्ध धारा परिक्रमा होगी, जबकि 24 को सप्त नदियों के पवित्र जल, कामधेनु गाय के दूध और जड़ी-बूटियों से गिरिराज प्रभु का पंचरत्नम महाभिषेक किया जाएगा। इसी दिन शाम को स्वामी हरिदास संगीत समारोह आयोजित होगा, जिसमें देश के प्रसिद्ध कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से भक्तों को भक्ति और संगीत की रसधारा में सराबोर करेंगे। अनंत चतुर्दशी पर 25 सितंबर को छावरिया सेवा के बाद शाम चार बजे छप्पन भोग के दिव्य दर्शन श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। इस बार कमल दल के साथ शेषनाग पर विराजमान गिरिराज प्रभु का अलौकिक स्वरूप दर्शनार्थियों के लिए विशेष आकर्षण रहेगा। दर्शन रात 12 बजे तक होंगे। अवसर पर समिति के अध्यक्ष दीनानाथ, रामभवन, राजेंद्र सर्राफ, रुन्ना, भगवान दास खंडेलवाल, राघवेंद्र गर्ग, राकेश गर्ग आढ़ती, दिनेश सादाबाद, पंकज जौहरी, अरविंद बिसावर, दिनेश मंगल, नितिन अग्रवाल, जेके, देवेश सर्राफ, हरीश जैन सर्राफ, राजेश राजू सर्राफ, सुनील बंसल, महावीर निवाड़, कन्नू सर्राफ, बांके सोनी, सोमेश इंजीनियर, अनमोल बिसावर, नितिन मार्बिल, मनीष सर्राफ सहित समिति के अनेक पदाधिकारी और श्रद्धालु मौजूद रहे।

जिले में विद्यार्थियों की अपार आईडी बनाने पर जोर

कक्षा नौ और 11 के अग्रिम पंजीकरण, 10 वीं-12वीं के परीक्षा आवेदन में दर्ज कराने पर दिया जा रहा है जोर

यूनिक समय, मथुरा। माध्यमिक शिक्षा परिषद की ओर से जिले में कक्षा नौ और 11 के विद्यार्थियों के अग्रिम पंजीकरण तथा कक्षा 10 और 12 के विद्यार्थियों के परीक्षा आवेदन पत्र भरने की प्रक्रिया चल रही है। इसी बीच परिषद ने जिले के सभी माध्यमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों की अपार आईडी बनवाने पर जोर दिया जा रहा है। विद्यालयों के प्रधानाचार्यों और शिक्षकों से अभिभावकों के सहयोग से विद्यार्थियों की अपार आईडी बनवाकर उसे पंजीकरण और परीक्षा आवेदन में दर्ज कराने का को कहा है।

अपार आईडी विद्यार्थी की 12 अंकों की स्थायी डिजिटल पहचान है। इसके माध्यम से विद्यार्थी की स्कूल से लेकर उच्च शिक्षा तक की शैक्षणिक जानकारी सुरक्षित रखी जा सकेगी। अंकपत्र, स्थानांतरण प्रमाणपत्र सहित अन्य शैक्षणिक प्रमाणपत्रों को भी डिजिटल रूप में सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी। इससे भविष्य में जरूरी दस्तावेज खोने या खराब होने की समस्या से बचा जा सकेगा। परिषद के अनुसार पंजीकरण और परीक्षा आवेदन पत्र भरते समय अपार आईडी का विवरण देना अनिवार्य नहीं है। विद्यार्थियों के हित को देखते हुए इसे बनवाने और आवेदन पत्र में दर्ज कराने को कहा है। अपार आईडी अभिभावकों की सहमति से बनाई जाती है। शैक्षणिक जानकारी सही और सुरक्षित रहने से भविष्य में छात्रवृत्ति, कल्याणकारी योजनाओं और अन्य शैक्षणिक सुविधाओं का लाभ लेने में आसानी होगी। परिषद ने विद्यालयों से अग्रिम पंजीकरण की अंतिम तिथि से पहले अधिक से अधिक विद्यार्थियों की अपार आईडी दर्ज कराने का प्रयास करने को कहा है।

मथुरा डिपो के तीन संविदा चालकों की सेवा समाप्त

111 से 134 दिन तक बिना सूचना ड्यूटी से रहे अनुपस्थित

नोटिस के बाद भी नहीं लौटे प्रतिभूति धनराशि जब्त

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा डिपो में लंबे समय से बिना सूचना ड्यूटी अनुपस्थित चल रहे तीन संविदा चालकों की सेवा समाप्त कर दी गई हैं। इनमें श्याम बाबू, ओम प्रकाश और हेमंत सैनी शामिल हैं। तीनों चालकों को ड्यूटी पर तत्काल उपस्थित होने के लिए विभाग की ओर से नोटिस जारी किया गया था, लेकिन नोटिस के बावजूद उन्होंने ड्यूटी ज्वाइन नहीं की। इसके बाद सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक के आदेश पर उनकी प्रतिभूति धनराशि जब्त करते हुए संविदा चालक पद से सेवाएं समाप्त कर उनका नाम संविदा सूची से पृथक कर दिया गया।

मथुरा डिपो के वरिष्ठ केंद्र प्रभारी की ओर से तीनों चालकों की लगातार अनुपस्थिति की रिपोर्ट सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक को भेजी गई थी। रिपोर्ट पर विचार के बाद बिना सूचना ड्यूटी से अनुपस्थित संविदा चालकों को नोटिस जारी कर तत्काल ड्यूटी पर उपस्थित होने के निर्देश दिए गए थे। साथ ही चेतावनी दी गई थी कि निर्धारित अवधि में ड्यूटी पर उपस्थित नहीं होने पर सेवाएं समाप्त कर दी जाएंगी। विभाग के अनुसार, संबंधित चालकों को व्हाट्सएप ग्रुप और नोटिस बोर्ड के माध्यम से भी सूचना दी गई। एआरएम के.के.आर्य ने बताया कि विभाग ने तीनों मामलों में स्पष्ट किया कि लंबे समय तक बिना सूचना ड्यूटी से अनुपस्थित रहना निगम नीति और अनुबंध की शर्तों के विपरीत है। इसी के चलते तीनों संविदा चालकों को संविदा सूची से पृथक करने की कार्रवाई की गई है।

भूतेश्वर अखाड़े में देर रात तक चला रोमांचक कुश्ती दंगल

अखाड़े में कुश्ती लड़ते पहलवान।

दिल्ली, हरियाणा और नेपाल समेत कई जगहों से पहलवान पहुंचे

यूनिक समय, मथुरा। रक्षाबंधन पर शुक्रवार को भूतेश्वर अखाड़े में कुश्ती दंगल हुआ, जहां मथुरा के साथ दिल्ली, हरियाणा, नोएडा, मध्य प्रदेश और नेपाल से पहुंचे पहलवानों ने जोर-आजमाइश की। कुश्ती के मुकाबले देर रात करीब 12 बजे तक जारी रहे। दंगल देखने के लिए बड़ी संख्या में कुश्ती प्रेमी और पहलवानों के समर्थक पहुंचे।

पहलवानों ने एक-दूसरे को चित करने के लिए कई तरह के दांव-पेंच आजमाए। रोमांचक मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन पर दर्शकों ने तालियां बजाकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। दंगल की चर्चित 17 हजार रुपये की कुश्ती कृष्णानगर चौकी प्रभारी संजीव कुमार सिंह ने शुरू कराई। उन्होंने दोनों पहलवानों के हाथ मिलवाकर मुकाबले का शुभारंभ किया। निर्धारित समय तक दोनों पहलवानों में से कोई निर्णायक बढ़त नहीं बना सका और मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ।

चौकी प्रभारी संजीव कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ पूरे आयोजन के दौरान मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि मल्लयुद्ध हमारी प्राचीन खेल परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। युवाओं को पारंपरिक कुश्ती से जुड़कर अपनी प्रतिभा निखारनी चाहिए। देर रात तक चले दंगल में पुलिस बल तैनात रहा और आयोजन शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ।

कौशल विकास को साथ आए राजीव एकेडमी और नांदी फाउंडेशन

विद्यार्थियों को रोजगारपरक दक्षताओं का मिलेगा नि:शुल्क प्रशिक्षण

तकनीकी ज्ञान के साथ व्यक्तित्व विकास पर भी रहेगा जोर

यूनिक समय, मथुरा। विद्यार्थियों को रोजगार के लिए आवश्यक कौशल से दक्ष बनाने की दिशा में राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, मथुरा और नांदी फाउंडेशन, हैदराबाद के महिंद्रा प्राइड क्लासरूम कार्यक्रम के बीच समझौता हुआ है। इस समझौते के तहत विद्यार्थियों को विभिन्न रोजगारपरक और आधुनिक कौशल का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

अनुबंध पत्रों पर हस्ताक्षर के बाद हाथ मिलाते निदेशक डॉ. अमर कुमार सक्सेना तथा नांदी फाउंडेशन के प्रोग्राम मैनेजर तरुण शर्मा।

समझौते पर राजीव एकेडमी की ओर से निदेशक डॉ. अमर कुमार सक्सेना और नांदी फाउंडेशन की ओर से कार्यक्रम प्रबंधक तरुण शर्मा ने हस्ताक्षर किए। दोनों संस्थानों के प्रतिनिधियों ने उम्मीद जताई कि यह पहल विद्यार्थियों को बदलते रोजगार बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को पाइथन कोडिंग, डिजिटल साक्षरता, कार्यस्थल पर अंग्रेजी भाषा के प्रयोग, व्यवहार कौशल, संवाद कौशल, जीवन कौशल और साक्षात्कार की तैयारी सहित विभिन्न विषयों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण की अवधि 40 से 120 घंटे तक निर्धारित की गई है। नांदी फाउंडेशन की ओर से सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित विद्यार्थियों को यह प्रशिक्षण बिना किसी शुल्क के उपलब्ध कराया जाएगा। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने और निर्धारित उपस्थिति और मूल्यांकन मानकों को पूरा करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए जाएंगे।

निदेशक डॉ. अमर कुमार सक्सेना ने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धी दौर में केवल शैक्षणिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है। विद्यार्थियों में तकनीकी दक्षता, प्रभावी संवाद, व्यक्तित्व विकास और रोजगारपरक कौशल होना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि नांदी फाउंडेशन के साथ यह सहयोग विद्यार्थियों को उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। चेयरमैन डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने कहा कि संस्थान विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है। कौशल विकास से विद्यार्थियों में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी और उन्हें बेहतर रोजगार के अवसर प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।

चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। नौहझील पुलिस ने चोरी के मामले में वांछित चल रहे एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की फर्जी नंबर प्लेट लगी बाइक बरामद की है। नौहझील पुलिस ने गोमत रोड पर चेकिंग के दौरान चोरी के मामले में वांछित चल रहे अभियुक्त आजाद निवासी गौमत थाना खैर जिला अलीगढ़ को फर्जी नंबर प्लेट लगा कर चोरी की बाइक चलाते हुए गिरफ्तार कर लिया।

अंजीर भिगोकर रोज खाओ सेहत और ताकत दोनों पाओ!

यूनिक समय, मथुरा। जब आप अंजीर पानी में भिगोकर खाते हैं, तो इसके फायदे भी अधिक बढ़ जाते हैं। वहीं इसके फायदे को दोगुना करना चाहते हैं, तो इसको दूध में भिगोकर खा सकते हैं। दूध में अंजीर भिगोकर खाने से शरीर को अधिक पोषण मिलता है।

आयुर्वेद में अंजीर को गुणों का खजाना माना जाता है। अंजीर सेहत के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट, फाइबर, विटामिन और मिनरल्स भरपूर मात्रा में होता है। वहीं यह सभी पोषक तत्व बीमारियों से बचने में सहायता करता है। आयुर्वेद के हिसाब से भिगोए हुए अंजीर का सेवन करने से शरीर की गंदगी साफ होती है। कब्ज की समस्या से राहत मिलती है और एनर्जी बढ़ती है। वहीं रोजाना अंजीर का सेवन करने से हड्डियां मजबूत होती है और स्किन में ग्लो भी आता है।

जब आप अंजीर पानी में भिगोकर खाते हैं, तो इसके फायदे भी अधिक बढ़ जाते हैं।

वहीं इसके फायदे को दोगुना करना चाहते हैं, तो इसको दूध में भिगोकर खा सकते हैं। दूध में अंजीर भिगोकर खाने से शरीर को अधिक पोषण मिलता है। क्योंकि दूध में प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन डी पाया जाता है। जोकि हमारी हड्डियों और दांतों के लिए बहुत जरूरी है। तो आइए जानते हैं अंजीर भिगोकर खाने से शरीर को क्या-क्या फायदे मिलते हैं। अंजीर में मौजूद फाइबर और छोटे बीज आंतों की सफाई में सहायता करता है। इसको रातभर दूध में भिगाकर खाने से कब्ज और अपच की समस्या दूर होती है। अंजीर में मौजूद फाइबर मल को नरम बनाता है और आंतों के स्वस्थ काजकाम को बढ़ावा देता है। दूध और अंजीर का सेवन करने से हड्डियां मजबूत बनती हैं। अंजीर में कैल्शियम और मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में पाई जाती है। वहीं दूध में कैल्शियम पाया जाता है, जो हड्डियां मजबूत बनाता है। दूध और अंजीर का कॉम्बिनेशन ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याओं को रोकने में मदद करता है। अंजीर में एंटीऑक्सिडेंट्स और फाइबर मौजूद होता है, जोकि बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल करता है। इससे हार्ट से जुड़ी बीमारियों का खतरा भी काफी हद तक कम हो जाता है।

बता दें कि वेट लॉस में भी अंजीर आपकी मदद कर सकता है। इसमें फाइबर अधिक और कैलोरी कम मात्रा में पाया जाता है, जो मेटाबॉलिज्म को तेज करता है और वेट लॉस में भी मदद करता है। अंजीर में मौजूद फाइबर पाचन में मदद करता है और पेट को भरा हुआ रखने में मदद करता है।

बेसन के लड्डू बनाने के लिए अपनाएं ये आसान टिप्स

यूनिक समय, मथुरा। बेसन के लड्डू भारतीय रसोई में सबसे लोकप्रिय और पारंपरिक मिठाइयों में से एक हैं। इनका स्वाद ऐसा होता है कि एक बार खाने के बाद कोई भी खुद को दोबारा खाने से रोक नहीं पाता। लेकिन जितनी आसान यह रेसिपी दिखती है, उतनी ही बारीकी इसमें होती है। अगर थोड़ी सी भी चूक हो जाए तो लड्डू या तो जल जाते हैं या ठीक से बंधते नहीं हैं।

अगर आप भी बेसन लड्डू बनाते समय इन समस्याओं का सामना कर रहे हैं, तो घबराने की जरूरत नहीं है। कुछ छोटे मगर जरूरी टिप्स को अपनाकर आप घर पर ही बाजार जैसे स्वादिष्ट और परफेक्ट बेसन लड्डू बना सकते हैं।

सबसे पहली और बड़ी गलती जो लोग करते हैं वह है तेज आंच पर बेसन को भूनना। इससे बेसन का स्वाद कड़वा हो सकता है और वह जल भी सकता है। हमेशा धीमी आंच पर बेसन को लगातार चलाते हुए भूनें। जब हल्की सी खुशबू आने लगे और बेसन का रंग सुनहरा होने लगे, तो समझ जाएं कि बेसन अच्छी तरह भुन चुका है।

घी की मात्रा और उसे डालने का सही समय लड्डू के स्वाद और बाइंडिंग दोनों में अहम भूमिका निभाता है। शुरुआत में थोड़ा घी डालें ताकि बेसन अच्छे से भुने। फिर धीरे-धीरे बीच-बीच में थोड़ा-थोड़ा घी डालते रहें। सारा घी एकसाथ डालने से बेसन तले में चिपक सकता है और भूनने में असमानता आ सकती है।

जब आपका बेसन अच्छे से भुन जाए और हल्का गरम हो, तभी उसमें शक्कर मिलाएं। अगर बेसन पूरी तरह से ठंडा हो जाएगा तो उसमें शक्कर सही से घुलेगी नहीं और लड्डू बाइंड नहीं होंगे। हल्के गरम बेसन में शक्कर मिलाने से मिठास भी बराबर फैलेगी और लड्डू अच्छे से बंधेंगे।

लड्डू में शक्कर मिलाते समय इस बात का खास ध्यान रखें कि आप दानेदार चीनी की बजाय बूरा या पिसी हुई शक्कर का ही उपयोग करें। दानेदार चीनी लड्डू में अच्छी तरह घुलती नहीं है और खाने में किरकिरा स्वाद देती है।

बेसन, घी और शक्कर का अनुपात संतुलित होना चाहिए। आमतौर पर एक कप बेसन के लिए आधा कप घी और आधा कप बूरा काफी होता है, लेकिन आप अपने स्वाद और अनुभव के अनुसार थोड़ा बदलाव कर सकते हैं।

अगर आप इन आसान लेकिन कारगर टिप्स को अपनाते हैं, तो यकीन मानिए झ आपके बनाए बेसन के लड्डू स्वाद, खुशबू और बनावट हर मामले में लाजवाब होंगे। अगली बार जब मीठा खाने का मन करे, तो इन टिप्स के साथ घर पर ही बेसन लड्डू बनाकर खुद को और अपनों को खुश करें।

बिना धोए ही पहन लेते हैं नए कपड़े, तो हो जाएं सावधान

यूनिक समय, मथुरा। क्या आप जानते हैं कि नए कपड़ों को बिना धोए पहनने की वजह से आपकी सेहत और आपकी त्वचा पर नेगेटिव असर पड़ सकता है?

नए कपड़े खरीदना किसे पसंद नहीं होता। लेकिन कहीं आप भी नए कपड़ों को बिना धोए पहनने की गलती तो नहीं करते हैं? आपकी ये गलती सेहत और त्वचा से जुड़ी समस्याओं को आमंत्रित करने का काम कर सकती है। आइए जानते हैं कि अगर आप नए कपड़ों को बिना धोए पहन लेते हैं, तो आपको किस तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

गौर करने वाली बात : जब भी आप नए कपड़े खरीदते हैं, तो ज्यादातर उन कपड़ों को पहले कोई न कोई ट्राई करके देख चुका होता है। जिसने भी कपड़े को ट्राई किया होगा, अगर उसे स्किन से जुड़ी कोई भी समस्या होगी, तो आपको भी त्वचा से जुड़ी समस्या होने का खतरा बढ़ सकता है। अगर आप त्वचा से जुड़ी समस्याओं की चपेट में नहीं आना चाहते, तो आपको नए कपड़ों को एक बार धोने के बाद ही पहनना चाहिए।

शरीर पर हमला बोल सकते हैं कीटाणु : भले ही नए कपड़े दिखने में साफ-सुथरे लगते हों लेकिन उनके अंदर कीटाणु मौजूद होने की संभावना काफी ज्यादा होती है। अगर आप बिना धोए ही नए कपड़े को पहन लेंगे, तो कीटाणुओं की फौज आपके शरीर पर हमला बोल सकती है जिसकी वजह से आपकी तबीयत भी खराब हो सकती है। इसलिए, अपनी सेहत को मजबूत बनाए रखने के लिए सावधानी बरतना बेहद जरूरी है।

जरूरी है हाइजीन का ध्यान रखना : कपड़ों को बिना धोए पहन लेना अनहाइजीनिक होता है। अपनी सेहत और त्वचा की देखभाल के लिए हाइजीन का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। यही वजह है कि एक्सपर्ट्स अक्सर कपड़ों को धोने के बाद ही इस्तेमाल करने की सलाह देते हैं।

देहरादून में मस्ती और रोमांच की तीन बेस्ट जगहें

यूनिक समय, मथुरा। अगर आप रोजमर्रा की हलचल से कुछ अलग करना चाहते हैं और कुछ रोमांचक व यादगार अनुभव की तलाश में हैं, तो देहरादून आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प है। अक्सर लोग हिल स्टेशन का आनंद लेने के लिए मसूरी, ऋषिकेश या धनोल्टी की ओर निकल पड़ते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि खुद देहरादून में ही कुछ बेहद एक्साइटिंग और तूफानी जगहें हैं जहा आप बिना दूर गए ही जबरदस्त मस्ती कर सकते हैं?

तो चलिए, जानते हैं देहरादून की तीन ऐसी जगहों के बारे में, जहां आप रोमांच, एडवेंचर और मस्ती का भरपूर मजा ले सकते हैं।

रॉबर्स केव (गुच्चूपानी): रॉबर्स केव या 'गुच्चूपानी' देहरादून की सबसे रोमांचक जगहों में से एक है। यह एक प्राकृतिक गुफा है जिसके बीचोंबीच से ठंडा और साफ पानी बहता है। यहां

पहुंचने के लिए आपको थोड़ा पैदल चलना पड़ता है, और जैसे ही आप गुफा के भीतर प्रवेश करते हैं, आपके पैरों के नीचे से बहता पानी और तैरती मछलियां एक अलग ही अनुभव देती हैं।

गुफा की शुरुआत थोड़ी डरावनी लग सकती है, लेकिन जैसे-जैसे आप अंदर बढ़ते हैं, यह जगह मन मोह लेती है।

सुबह जल्दी पहुंचना सबसे अच्छा रहता है, क्योंकि दिन चढ़ते ही यहां भीड़ बढ़ने लगती है। यह जगह प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ एक रोमांचक ट्रैकिंग स्पॉट भी है। सालन गांव में रॉक क्लाइंबिंग और कैंपिंग: अगर आप एडवेंचर के शौकीन हैं और ऊंचाईयों को छूने का जज्बा रखते हैं, तो देहरादून का सालन गांव आपके लिए एक परफेक्ट डेस्टिनेशन है। यहां पर रॉक क्लाइंबिंग का आयोजन होता है जहां आप बिना किसी आधुनिक सहारे के चट्टानों पर चढ़ने का साहसिक अनुभव ले सकते हैं।

यहां सिर्फ रॉक क्लाइंबिंग ही नहीं, बल्कि टेंट में रात बिताने, मिट्टी के बर्तनों में खाना पकाने और खुली हवा में जीवन जीने का अनोखा मौका मिलता है। कैंपिंग, बोनफायर, स्टारी नाइट और लोकल फूड यह सब मिलकर आपके ट्रिप को रोमांचक ही नहीं, यादगार भी बना देगा।

मालसी डियर पार्क: अगर आप अपने परिवार के साथ घूमने जा रहे हैं और चाहते हैं कि बच्चों को भी मजा आए, तो मालसी डियर पार्क एक शानदार विकल्प है। यह एक मिनी जू जैसा है, जहां हिरण, नीलगाय जैसे जानवर देखे जा सकते हैं। इसके अलावा यहां जिपलाइनिंग, स्लाइड्स, और कई अन्य मनोरंजक गतिविधियां भी उपलब्ध हैं जो बच्चों और युवाओं दोनों को पसंद आएंगी। यहां हरियाली से भरा माहौल, खुली हवा और हल्की फुहारों का एहसास भी आपको सुकून देगा। खास बात ये है कि यह जगह शहर के नजदीक है, जिससे छोटा ट्रिप प्लान करना बेहद आसान हो जाता है।

तो अगली बार जब आप कुछ नया और धमाकेदार करने की सोचें, तो देहरादून की इन रोमांचक जगहों को अपनी ट्रैवल लिस्ट में जरूर शामिल करें। यहां न सिर्फ रोमांच है बल्कि प्रकृति की गोद में शांति और आनंद भी मिलेगा। बिना लंबी दूरी तय किए ही आप बेहतरीन एक्सपीरियंस पा सकते हैं।

सुविचार

सपनों को सच करने के लिए निरंतर प्रयास करो, सफलता एक दिन जरूर मिलेगी।

कल का पंचांग

तिथि	द्वितीया	09:57-09:37 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	उ.भाद्रपद	03:42-03:44 तक	माह	श्रावण
सूर्योदय		5:57 AM	चन्द्रोदय	07:52 PM
सूर्यास्त		6:42 PM	चंद्रास्त	07:45 AM
सूर्य राशि		सिंह राशि	चंद्र	मीन राशि
शुभ मुहूर्त		11:58AM –12:46 PM	ब्रह्म् मुहूर्त	04:21-05:09
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		05:06 PM: 06:42 PM	वार	रविवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

वास्तु चक्र की 16 दिशाएं बदल सकती हैं आपकी पूरी किस्मत

व्यापार और नौकरी की तरक्की के लिए अहम है उत्तर दिशा

यूनिक समय, मथुरा। वास्तु शास्त्र में दिशा केवल पूर्व–पश्चिम तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे जीवन के हर पहलू को प्रभावित करने वाली ऊर्जा का एक संपूर्ण चक्र है। यह चक्र कुल 16 दिशाओं का होता है और इसे ही वास्तु चक्र कहा जाता है। इसमें मुख्य आठ दिशाओं (पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण और उनके मध्य की दिशाएं) के साथ–साथ उप–दिशाएं भी होती हैं जो विशेष रूप से मानसिक, सामाजिक, आर्थिक और पारिवारिक जीवन को प्रभावित करती हैं।

भोपाल निवासी ज्योतिषाचार्य और वास्तु विशेषज्ञ पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा बताते हैं कि हर दिशा हमारे जीवन के किसी न किसी हिस्से से जुड़ी होती है। अगर कोई दिशा बाधित होती है या वास्तु दोष से प्रभावित होती

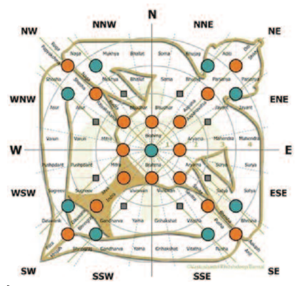

है, तो वह हमारे जीवन में समस्याएं उत्पन्न कर सकती है। वहीं, अगर सही दिशा में वास्तु उपाय किए जाएं, तो सकारात्मक ऊर्जा सक्रिय होकर किस्मत बदल सकती है।

उदाहरण के लिए उत्तर दिशा करियर, नौकरी और व्यापार में नए अवसरों से जुड़ी होती है। यह दिशा साफ–सुथरी हो और वहां कोई भारी सामान न रखा गया हो तो नए क्लाइंट और ऑर्डर मिलते हैं। पूर्व दिशा समाज में प्रतिष्ठा, पहचान और नाम से जुड़ी होती है। अगर इस दिशा में रुकावट हो, तो व्यक्ति को मान–सम्मान मिलने में कठिनाई आती है। विपरीत स्थिति में इस दिशा की शुद्धता व्यक्ति के सामाजिक प्रभाव को बढ़ा देती है। पश्चिम दिशा मुनाफे और संतोष से जुड़ी है। यह दर्शाती है कि आप जो मेहनत कर रहे हैं, उसका फल कितना मिल रहा है। यदि इस दिशा में वास्तु दोष न हो तो जीवन में संतुलन और पूर्णता बनी रहती है। दक्षिण दिशा आत्मबल, नेतृत्व क्षमता और स्थिरता का प्रतीक है। यह दिशा मजबूत हो तो निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है और व्यक्ति अपने क्षेत्र में नेतृत्व की भूमिका निभा सकता है। अब बात करें उप–दिशाओं की, तो उत्तर–उत्तर–पूर्व दिशा मानसिक स्पष्टता और फैसलों से जुड़ी होती है। इस दिशा में वास्तु संतुलन से विचारशीलता और निर्णय क्षमता में वृद्धि होती है। दक्षिण–पश्चिम दिशा परिवारिक संतुलन और दीर्घकालिक स्थिरता से संबंधित होती है। अगर इस दिशा में कोई गड़बड़ी है, तो रिश्तों में अस्थिरता आ सकती है।

MANNAT
GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

प्रत्येक दिशा एक ऊर्जा के साथ जुड़ी होती है। वास्तु चक्र को समझना यानी अपनी जिंदगी के नक्शे को पढ़ना। अगर हम इन दिशाओं में मौजूद छोटी–छोटी रुकावटों को हटाकर संतुलन बना लें, तो बड़ा सकारात्मक असर दिखाई देता है। वास्तु चक्र की यह समझ घर, ऑफिस, दुकान या किसी भी कार्यस्थल पर लागू की जा सकती है। बहुत बार लोग सोचते हैं कि वास्तु के उपाय केवल बड़े बदलाव से ही असर करते हैं, लेकिन सच यह है कि कई बार एक छोटा सा परिवर्तन भी जीवन में बड़ा बदलाव ला सकता है।

अगर आपको लगातार निर्णयों में असफलता मिल रही है, करियर में रुकावटें आ रही हैं, या पारिवारिक तनाव बना हुआ है, तो एक बार घर या कार्यस्थल की दिशाओं का वास्तु परीक्षण अवश्य कराएं। यह संभव है कि आपकी समस्याओं की जड़ किसी दिशा में छिपी हो।

वास्तु विज्ञान कोई अंधविश्वास नहीं, बल्कि एक संतुलन विज्ञान है, जो ऊ र्जा, स्थान और समय के सामंजस्य से जीवन को सहज, समृद्ध और संतुलित बना सकता है।

कल का राशिफल

मेषः कल आत्मविश्वास बढ़ेगा, रुके कार्य पूरे होंगे, व्यापार में लाभ मिलेगा, परिवार का सहयोग मिलेगा और स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

वृषभः कल आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, नई जिम्मेदारी मिल सकती है, कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी और परिवार में सुखद वातावरण बना रहेगा।

मिथुनः कल महत्वपूर्ण निर्णय सोच–समझकर लें, नौकरी में अवसर मिलेंगे, धन लाभ होगा और मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा।

कर्कः कल परिवार में खुशियां आएंगी, पुराने विवाद समाप्त होंगे, कार्यक्षेत्र में सम्मान बढ़ेगा।

सिंहः कल मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा, व्यापार में नई योजना सफल होगी, अधिकारियों का सहयोग मिलेगा।

कन्याः कल रुका धन वापस मिल सकता है, नौकरी में तरक्की के अवसर बनेंगे और पारिवारिक संबंधों में मधुरता आएगी।

तुलाः कल सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी, नए संपर्क लाभदायक रहेंगे, व्यापार में फायदा होगा और दांपत्य जीवन में प्रेम बढ़ेगा।

वृश्चिकः कल कार्यक्षेत्र में चुनौतियां रहेंगी, लेकिन मेहनत से सफलता मिलेगी, आर्थिक लाभ होगा और परिवार का साथ मिलेगा।

धनुः कल यात्रा लाभदायक रहेगी, नई योजनाएं सफल होंगी, धन की स्थिति मजबूत होगी और मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा।

मकरः कल नौकरी और व्यापार में प्रगति होगी, धन लाभ के अवसर मिलेंगे, पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ेंगी और स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कुंभः कल नए काम की शुरुआत लाभदायक होगी, आर्थिक स्थिति सुधरेगी, प्रेम संबंध मजबूत होंगे ।

मीनः कल मन प्रसन्न रहेगा, धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी, धन लाभ होगा और परिवार में शांति बनी रहेगी।

पूर्वजन्म की इच्छा ने द्रौपदी को बनाया था पांच पतियों की पत्नी

यूनिक समय, मथुरा। महाभारत की गाथा में द्रौपदी एक ऐसी स्त्री हैं, जिनकी कहानी नियति, इच्छा और संघर्षों का अनूठा मेल है। द्रौपदी केवल एक नायिका नहीं, बल्कि उस गूढ़ सत्य की प्रतीक हैं जो बताता है कि हमारे पूर्व कर्म और अधूरी इच्छाएं भविष्य को कैसे गढ़ती हैं।

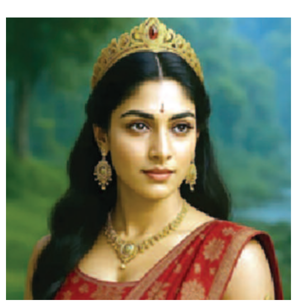

महाभारत के अनुसार, द्रौपदी का पूर्वजन्म एक गरीब ब्राह्मणी के रूप में हुआ था। उनके पति अस्वस्थ रहते थे और शीघ्र ही उनका निधन हो गया। जीवन की कठिनाइयों और समाज से उपेक्षा के कारण उन्होंने भगवान शिव की कठोर तपस्या की। उन्होंने प्रार्थना की कि अगला जन्म उन्हें ऐसा पति दे, जिसमें वीरता, बुद्धिमता, सौंदर्य, धर्मनिष्ठा और सहनशीलता जैसे गुण हों। भगवान शिव उनकी तपस्या से प्रसन्न हुए, परंतु उन्होंने स्पष्ट किया कि इतने सारे गुण एक व्यक्ति में नहीं आ सकते। अतः अगले जन्म में उन्हें पांच पतियों के रूप में ये पांच गुण मिलेंगे। इस ब्राह्मणी ने इस वरदान को स्वीकार किया, यह जाने बिना कि इसका परिणाम क्या होगा। पुनर्जन्म में वह राजा द्रुपद की यज्ञ से उत्पन्न पुत्री द्रौपदी बनीं। स्वयंवर में अर्जुन ने मछली की आंख भेदकर उन्हें जीता और घर लाए। वहां कुंती ने अनजाने में कह दिया कि जो लाए हो, उसे पांचों भाई आपस में बांट लो। इस पर व्यासजी ने प्रकट होकर द्रौपदी को उसके पूर्वजन्म की बात याद दिलाई और बताया कि पांचों पांडव ही वही पांच गुणों वाले पुरुष हैं, जिन्हें उन्होंने शिव से मांगा था।

इस प्रकार द्रौपदी पांच पतियों की पत्नी बनीं। उन्होंने सभी पांडवों के साथ समान संबंध निभाए और कभी अपने कर्तव्यों से पीछे नहीं हटीं। उनका जीवन बताता है कि कभी–कभी अधूरी इच्छाएं भी नियति में गहरा प्रभाव छोड़ जाती हैं।

हल छठ दो सितंबर को, तीन शुभ योग में पूजन होगा

यूनिक समय, मथुरा। हल छठ या हल षष्ठी का व्रत इस बार 2 सितंबर को रखा जाएगा। भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि 2 सितंबर सुबह 6:12 बजे शुरू होकर 3 सितंबर सुबह 4:25 बजे समाप्त होगी। सूर्योदय की तिथि के अनुसार व्रत 2 सितंबर को ही रखा जाएगा। धार्मिक मान्यता है कि इसी दिन भगवान बलराम का जन्म हुआ था। संतान की सुख–समृद्धि और स्वस्थ जीवन की कामना से माताएं निर्जला उपवास रखकर पूजा करती हैं। निःसंतान महिलाएं भी संतान प्राप्ति की कामना से यह व्रत रखती हैं।

इस बार हल छठ पर ध्रुव योग, रवि योग और सर्वार्थ सिद्धि योग बनने की जानकारी दी गई है। ध्रुव योग रात 9:12 बजे तक रहेगा। इसके बाद व्याघात योग शुरू होगा। रवि योग और

तीन शुभ योग से बढ़ेगा पर्व का धार्मिक महत्व

सूर्यास्त बाद के प्रदोष काल में होगी विशेष पूजा

सर्वार्थ सिद्धि योग रात 1:43 बजे से 3 सितंबर सुबह 6 बजे तक रहेंगे।

हल छठ की पूजा प्रदोष काल में सूर्यास्त के बाद करने की परंपरा है। इस दिन सूर्यास्त शाम 6:42 बजे होगा। ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4:29 से 5:14 बजे तक रहेगा। राहुकाल दोपहर 12:21 से 1:56 बजे तक रहेगा। भद्रा 3 सितंबर सुबह 4:25 से 6 बजे तक रहेगी और इसका वास स्वर्ग में बताया गया है।

कलियुग के दूसरे चरण में काशी हो जाएगी जलमग्न,उत्तर काशी में विराजमान होंगे विश्वनाथ

यूनिक समय, मथुरा। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में भागीरथी नदी के तट पर स्थित प्राचीन काशी विश्वनाथ मंदिर भगवान शिव की आराधना का प्रमुख केंद्र है। धार्मिक मान्यताओं के कारण इस मंदिर का विशेष महत्व माना जाता है। स्थानीय परंपरा के अनुसार, कलियुग के दूसरे चरण में जब वाराणसी स्थित काशी जलमग्न हो जाएगी, तब भगवान शिव उत्तरकाशी के काशी विश्वनाथ मंदिर में विराजमान होंगे। हालांकि यह भविष्य से जुड़ी धार्मिक मान्यता है, जिसका उल्लेख स्थानीय आस्था और पौराणिक कथाओं में मिलता है।

उत्तरकाशी को प्राचीन समय में बाड़ाहाट के नाम से जाना जाता था। भागीरथी नदी के किनारे स्थित यह मंदिर वर्षभर श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है। विशेष अवसरों पर यहां भगवान शिव के दर्शन और पूजा–अर्चना के लिए बड़ी संख्या में भक्त पहुंचते हैं। मंदिर परिसर की प्राचीनता और यहां मौजूद धार्मिक प्रतीक इसकी विशिष्ट पहचान हैं। मंदिर के निर्माण को लेकर यहां लगे त्रिशूल पर अंकित शिलालेख को महत्वपूर्ण माना जाता है। धार्मिक परंपरा के अनुसार मंदिर का निर्माण राजा गणेश्वर और उनके पुत्र गुह ने कराया था। उन्हें पराक्रमी योद्धा बताया गया है। मंदिर परिसर के सामने शक्ति मंदिर भी स्थित है।

उत्तरकाशी का काशी विश्वनाथ मंदिर, शिवभक्तों की आस्था

कलियुग में काशी से जुड़ी मान्यता बनाती है इसे विशेष

विशाल त्रिशूल और शिलालेख मंदिर की पहचान

विश्वनाथ मंदिर की सबसे खास पहचान यहां स्थापित विशाल त्रिशूल है। इसकी ऊंचाई करीब 26 फीट बताई जाती है। त्रिशूल के निचले हिस्से का घेरा करीब 8 फीट 9 इंच और ऊपरी हिस्से का घेरा लगभग 18.5 इंच है। इस पर मौजूद शिलालेख मंदिर के इतिहास से जुड़ी जानकारी देता है। मंदिर का जीर्णोद्धार वर्ष 1857 में महारानी खानेती द्वारा कराए जाने की जानकारी मिलती है। धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होने के साथ यह मंदिर चारधाम यात्रा के मार्ग पर भी स्थित है। विशेष रूप से गंगोत्री जाने वाले तीर्थयात्री यहां पहुंचकर भगवान शिव के दर्शन करते हैं। इस कारण उत्तरकाशी का विश्वनाथ मंदिर आस्था, इतिहास और पौराणिक मान्यताओं का महत्वपूर्ण संगम माना जाता है।

सम्पादकीय

रजिस्ट्री में खेल बड़ा कानून गया छुट्टी मनाने

उत्तर प्रदेश में जमीन की रजिस्ट्री का खेल अब केवल कागज, कलम और सरकारी शुल्क तक सीमित नहीं रह गया है। यहां जमीन वही रहती है, मालिक वही रहता है, लेकिन कागज पर उसका रूप बदलने की कथित कला भी सामने आ रही है। आबादी की जमीन को कृषि भूमि बताकर रजिस्ट्री कराने की कथित सुविधा अगर सच है, तो यह व्यवस्था के लिए गंभीर सवाल है। व्यंग्य की भाषा में कहें तो लगता है कि सरकारी दफ्तरों में नियमों की किताब रखी जरूर है, बस उसे पढ़ने की जरूरत किसी को नहीं पड़ती।

पवन गौतम
संपादक

मामला इसलिए भी गंभीर है क्योंकि जमीन कोई मामूली चीज नहीं। एक गलत प्रविष्टि वर्षों तक विवाद की वजह बन सकती है। जमीन के छोटे से कागजी फेरबदल का असर पीढ़ियों तक पहुंच सकता है। ऐसे में यदि कोई कर्मचारी या बिचौलिया यह भरोसा दिलाए कि निर्धारित शुल्क से कम में काम करा देंगे, तो सवाल केवल रिश्वत का नहीं, पूरी व्यवस्था की विश्वसनीयता का है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि कथित खेल का गणित भी बड़ा साफ है। जितना सरकारी शुल्क, उससे बचत कितनी और सुविधा शुल्क कितना–मानो जमीन की रजिस्ट्री नहीं, कोई विशेष छूट वाला सौदा हो। कहीं बाबू भरोसा दिलाते हैं, कहीं बिचौलिये गारंटी लेते हैं और कहीं कागज देखकर रास्ता निकालने की बात होती है। यानी नागरिक को कानून की जानकारी से ज्यादा 'सही आदमी' की तलाश करनी पड़ रही है। विडंबना यह है कि सरकारी कार्यालय जनता की सुविधा के लिए बनाए गए हैं, लेकिन यदि वहां काम कराने के लिए बिचौलिये की जरूरत महसूस होने लगे तो व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। ईमानदार नागरिक नियम के अनुसार शुल्क देकर काम कराना चाहता है, जबकि उसे यह संदेश मिलता है कि थोड़ी 'व्यवस्था' हो तो खर्च कम हो सकता है। यह स्थिति कानून मानने वालों के लिए सबसे बड़ा निरुत्साहन है। अब जिम्मेदारी केवल जांच की घोषणा करने से पूरी नहीं होगी। जिन अधिकारियों और कर्मचारियों पर आरोप हैं, उनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। रजिस्ट्री प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाया जाए, दस्तावेजों का डिजिटल सत्यापन हो और हर लेन–देन का स्पष्ट अभिलेख रहे। बिचौलियों की भूमिका पर भी कठोर निगरानी जरूरी है। सरकार को यह तय करना होगा कि जमीन की रजिस्ट्री कानून से होगी या 'सेटिंग' से। क्योंकि अगर सरकारी दफ्तर में नियम किताब में और सौदे मेज के नीचे होने लगें, तो फिर आम आदमी किस दरवाजे पर न्याय तलाशेगा? जमीन का मालिक बदल सकता है, जमीन का उपयोग बदल सकता है, लेकिन कानून का अर्थ नहीं बदलना चाहिए। यही व्यवस्था की असली परीक्षा है।

स्कैन करें
संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

सत्ता के आगे अफसर झुके तो लोकतंत्र होगा कमजोर

बोध प्रकाश सगुणी

कभी भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत यह मानी जाती थी कि सत्ता बदल सकती है, सरकारें बदल सकती हैं, लेकिन प्रशासनिक व्यवस्था अपने मूल सिद्धांतों पर कायम रहती है। एक सक्षम अधिकारी से अपेक्षा की जाती थी कि वह मंत्री के सामने भी जरूरत पड़ने पर 'ना' कह सके। वह राजनीतिक इच्छा का सम्मान करते हुए यह स्पष्ट बता सके कि कौन–सा निर्णय कानून के दायरे में है, कौन–सा प्रशासनिक रूप से संभव है और कौन–सा जनहित में उचित है। आज यही परंपरा धीरे–धीरे कमजोर होती दिखाई दे रही है। नौकरशाही को कभी देश का 'स्टील फ्रेम' कहा गया था। इसका अर्थ केवल मजबूत प्रशासनिक ढांचा नहीं था, बल्कि ऐसी व्यवस्था से था जो राजनीतिक दबाव के बीच भी संस्थागत निरंतरता बनाए रखे। लेकिन यदि अधिकारी का सबसे बड़ा लक्ष्य निष्पक्ष निर्णय लेने के बजाय अपनी कुर्सी बचाना, मनचाही तैनाती पाना या सत्ता के करीब बने रहना हो जाए, तो फिर यह ढांचा भीतर से कमजोर होने लगता है।

लोकतंत्र में मंत्री और अधिकारी की भूमिकाएं अलग–अलग होती हैं। मंत्री जनता के जनादेश और राजनीतिक प्राथमिकताओं का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि अधिकारी का दायित्व उन प्राथमिकताओं को संविधान, कानून और प्रशासनिक नियमों के अनुरूप लागू करना है। दोनों के बीच सहयोग आवश्यक है, लेकिन सहयोग और समर्पण में बहुत बड़ा अंतर है। अधिकारी का काम हर राजनीतिक आदेश पर सिर झुकाना नहीं, बल्कि सही सलाह देना है–भले ही वह सलाह सत्ता को असुविधाजनक क्यों न लगे।

समस्या यह है कि व्यवस्था में धीरे–धीरे ऐसी प्रवृत्ति विकसित हुई है, जिसमें 'सहयोगी अधिकारी' को अधिक उपयोगी माना जाने लगा है। जो अधिकारी हर निर्देश पर सहमति जताता है, उसके लिए रास्ते आसान हो सकते हैं। अच्छी तैनाती, महत्वपूर्ण जिम्मेदारी, कार्यकाल का विस्तार और सत्ता के करीब रहने के अवसर उसे आकर्षित करते हैं। दूसरी तरफ राजनेताओं को भी ऐसे अधिकारियों की जरूरत होती है जो उनके निर्णयों को तेजी से लागू कर सकें और असहज सवाल न उठाएं।

यहीं से एक खतरनाक लेन–देन शुरू होता है। एक पक्ष को निष्ठावान अधिकारी चाहिए और दूसरे पक्ष को संरक्षण। दोनों की जरूरतें पूरी होती रहती हैं और संस्थागत मर्यादा धीरे–धीरे पीछे छूट जाती है। यह स्थिति केवल प्रशासनिक व्यवस्था की समस्या नहीं है, बल्कि सीधे नागरिकों के अधिकारों को प्रभावित करती है।

आखिर सरकार के फैसले नागरिकों तक नौकरशाही के माध्यम से ही पहुंचते हैं। जमीन का अधिग्रहण हो, किसी निर्माण का ठेका हो, लाइसेंस जारी करना हो, कर्मचारी का स्थानांतरण हो, सड़क बनानी हो, मकान गिराना हो या किसी सरकारी योजना का लाभ देना हो–इन सभी फैसलों में अधिकारी की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। यदि निर्णय कानून और नियम के बजाय व्यक्तिगत संबंधों, राजनीतिक दबाव या आर्थिक लाभ से प्रभावित होने लगें, तो आम नागरिक के लिए न्याय पाना कठिन हो जाता है।

सबसे चिंताजनक स्थिति तब बनती है जब ईमानदार अधिकारी ही व्यवस्था में असहज व्यक्ति समझा जाने लगे। जो अधिकारी नियमों का हवाला देता है, उसे 'अड़ियल' कहा जा सकता है। जो गलत आदेश मानने से इनकार करता है, उस पर 'सहयोग न करने' का आरोप लग सकता है। बार–बार स्थानांतरण उसके लिए दबाव का माध्यम बन सकता है। इसके विपरीत समझौता करने वाला अधिकारी व्यवस्था में अधिक स्वीकार्य दिखाई दे सकता है।

इसका सीधा असर कानून के राज पर पड़ता है। यदि किसी नागरिक का काम इस बात पर निर्भर करने लगे कि उसकी पहचान किस अधिकारी या नेता से है, वह किस गुट के करीब है या वह कितना पैसा खर्च कर सकता है, तो फिर कानून की समानता का सिद्धांत खोखला हो जाता है। भ्रष्टाचार केवल रिश्वत लेने–देने से पैदा नहीं होता। वह तब मजबूत होता है जब संस्थाएं उसके खिलाफ खड़ी होने के बजाय उसके साथ खड़ी होने लगती हैं। इसलिए प्रशासनिक सुधार अब विकल्प नहीं, आवश्यकता हैं। सबसे पहले अधिकारियों के स्थानांतरण और नियुक्ति की व्यवस्था को पारदर्शी बनाया जाना

चाहिए। स्पष्ट नियम और न्यूनतम कार्यकाल की व्यवस्था अधिकारियों को अनावश्यक राजनीतिक दबाव से बचा सकती है। यदि किसी अधिकारी ने ईमानदारी और सद्भावना से निर्णय लिया है, तो केवल राजनीतिक असहमति के कारण उसके विरुद्ध कार्रवाई नहीं होनी चाहिए।

दूसरा महत्वपूर्ण सुधार है–मौखिक आदेशों की संस्कृति पर रोक। महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्देश लिखित रूप में दिए जाएं और उनका रिकॉर्ड सुरक्षित रहे। इससे न केवल अधिकारी को गलत आदेश मानने के दबाव से राहत मिलेगी, बल्कि बाद में जिम्मेदारी तय करना भी आसान होगा। मौखिक निर्देश अक्सर जवाबदेही से बचने का सबसे आसान रास्ता बन जाते हैं।

तीसरा, गलत काम या भ्रष्टाचार की जानकारी सामने लाने वाले अधिकारियों को वास्तविक सुरक्षा मिलनी चाहिए। यदि कोई अधिकारी अनियमितता की शिकायत करता है और उसके बाद उसका स्थानांतरण, पदावनति या उत्पीड़न शुरू हो जाता है, तो इससे बाकी अधिकारियों को भी गलत के खिलाफ आवाज उठाने से डर लगेगा। शिकायतकर्ता को संरक्षण देने वाली संस्थाएं स्वतंत्र और प्रभावी होनी चाहिए।

इसके साथ ही ईमानदारी और पेशेवर दक्षता को केवल भाषणों में नहीं, बल्कि पदोन्नति और महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में भी महत्व देना होगा। जिस व्यवस्था में नियमों का पालन करने वाला अधिकारी नुकसान में और नियमों से समझौता करने वाला अधिकारी लाभ में रहे, वहां सुधार की उम्मीद करना कठिन है।

लेकिन जिम्मेदारी केवल अधिकारियों की नहीं है। राजनेताओं को भी यह समझना होगा कि असहमति लोकतंत्र की दुश्मन नहीं, उसकी सुरक्षा है। जो अधिकारी किसी निर्णय की कानूनी कमजोरी बताता है, वह जरूरी नहीं कि सरकार का विरोधी हो। कई बार वही अधिकारी सरकार को भविष्य के विवाद, न्यायिक चुनौती और प्रशासनिक नुकसान से बचा रहा होता है।

एक मजबूत प्रशासन वह नहीं, जिसमें अधिकारी हर आदेश पर 'जी हुजूर' कहें। मजबूत प्रशासन वह है, जिसमें अधिकारी सही बात कहने का साहस रखें और मंत्री उस पेशेवर सलाह को सुनने का लोकतांत्रिक धैर्य रखें।

भारत को ऐसी नौकरशाही चाहिए जो सत्ता के साथ काम करे, लेकिन सत्ता की अधीनस्थ न बने, जो सरकार की नीतियां लागू करे, लेकिन संविधान से समझौता न करे, जो राजनीतिक नेतृत्व का सम्मान करे, लेकिन जनहित और कानून के प्रति अपनी जिम्मेदारी को सर्वोपरि रखे।

'स्टील फ्रेम' को मजबूत करने का रास्ता अधिकारियों को अधिक शक्तिशाली बनाने से नहीं, बल्कि उन्हें निष्पक्ष होकर काम करने की सुरक्षा देने से निकलेगा। जब एक ईमानदार अधिकारी बिना डर के 'ना' कह सकेगा और एक मंत्री उस 'ना' को विरोध नहीं बल्कि जिम्मेदार सलाह समझेगा, तभी प्रशासन पर जनता का भरोसा मजबूत होगा। लोकतंत्र की असली मजबूती यही है कि कुर्सियां बदलें, सरकारें बदलें, लेकिन संस्थाओं की रीढ़ न झुके।

विचार विंडो

क्रिकेट से सीखकर भारतीय खेलों की बनानी होगी नई पहचान

राम प्रकाश शर्मा

आज राष्ट्रीय खेल दिवस है। यह दिन केवल महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि भारतीय खेल व्यवस्था की दिशा और दशा पर गंभीरता से विचार करने का भी समय है। भारत में खेलों को लेकर उत्साह लगातार बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारतीय खिलाड़ियों की उपस्थिति मजबूत हुई है, पदकों की संख्या बढ़ी है और खेल सुविधाओं के विस्तार पर भी पहले की तुलना में अधिक ध्यान दिया जा रहा है। इसके बावजूद एक बड़ा सवाल अब भी सामने खड़ा है–क्या भारत क्रिकेट के अलावा दूसरे खेलों को भी उतनी ही लोकप्रियता, पहचान और बाजार दे पा रहा है?

इस सवाल का जवाब पूरी तरह संतोषजनक नहीं है। क्रिकेट ने भारत में केवल खेल के रूप में अपनी जगह नहीं बनाई, बल्कि उसने एक मजबूत खेल संस्कृति और व्यापक बाजार तैयार किया है। क्रिकेट खिलाड़ियों की सफलता की कहानियां घर–घर पहुंचती हैं। उनके संघर्ष, अभ्यास, उपलब्धियां और व्यक्तिगत जीवन तक लोगों की रुचि का विषय बनते हैं। यही कारण है कि क्रिकेट को देखने, समझने और उससे जुड़ने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ती गई। दूसरे खेलों को इसी मॉडल से सीखने की जरूरत है। बैडमिंटन, निशानेबाजी, कुश्ती, मुक्केबाजी, हॉकी और तीरंदाजी जैसे खेलों में भारत के पास प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। भारतीय खिलाड़ी विश्वस्तरीय प्रतियोगिताओं में पदक जीत रहे हैं और कई खिलाड़ी विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान तक पहुंच चुके हैं। निशानेबाजी में तो

भारत ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी मजबूत स्थिति बनाई है। बैडमिंटन में भी भारतीय खिलाड़ियों ने दुनिया को अपनी क्षमता का अहसास कराया है। इसके बावजूद इन खिलाड़ियों की लोकप्रियता क्रिकेट सितारों की बराबरी नहीं कर पाती। इस अंतर का एक बड़ा कारण खेलों का प्रचार और विपणन है।

किसी खिलाड़ी की उपलब्धि तभी जन–जन तक पहुंचेगी, जब उसकी कहानी लोगों तक पहुंचाई जाएगी। एक खिलाड़ी ने कितने वर्षों तक अभ्यास किया, किन मुश्किलों का सामना किया, परिवार ने कितना त्याग किया और किस तरह उसने अंतरराष्ट्रीय स्तर तक अपनी जगह बनाई–ऐसी कहानियां लोगों को खिलाड़ियों से जोड़ती हैं। क्रिकेट ने इस जुड़ाव को बहुत प्रभावी ढंग से बनाया है। दूसरे खेलों को भी खिलाड़ियों को केवल पदक जीतने वाली मशीन के रूप में नहीं, बल्कि संघर्ष और प्रेरणा की जीवंत कहानियों के रूप में प्रस्तुत करना होगा। खेलों की लोकप्रियता बढ़ाने में विद्यालयों और महाविद्यालयों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। बच्चों को केवल क्रिकेट खेलने के लिए प्रेरित करने के बजाय उन्हें अलग–अलग खेलों से परिचित कराया जाना चाहिए। जिस बच्चे में जिस खेल की प्रतिभा दिखाई दे, उसे उसी दिशा में आगे बढ़ाने की व्यवस्था हो। इसके लिए प्रशिक्षकों, खेल मैदानों, उपकरणों और प्रतियोगिताओं की पर्याप्त उपलब्धता जरूरी है। प्रतिभा गांवों और छोटे शहरों में भी है, लेकिन वहां तक अवसर और संसाधन पहुंचाना अभी बड़ी चुनौती है। खेल प्रशासन में सुधार भी उतना ही आवश्यक है। विभिन्न खेल संघों के बीच बेहतर तालमेल होना चाहिए। खिलाड़ियों के चयन, प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं की तैयारी में पारदर्शिता और दीर्घकालिक योजना जरूरी है। आपसी विवाद और खींचतान का सीधा नुकसान खिलाड़ियों को होता है। जिस ऊर्जा का इस्तेमाल खेलों को मजबूत बनाने में होना चाहिए, वह यदि प्रशासनिक विवादों में खर्च होगी तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपेक्षित परिणाम कैसे मिलेंगे?

आगामी एशियाई खेल भारतीय खेल व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण अवसर हैं। वहां भारतीय दल के प्रदर्शन से यह पता चलेगा कि हमारी तैयारियां किस स्तर तक पहुंची हैं। निशानेबाजी, बैडमिंटन, मुक्केबाजी, कुश्ती, तीरंदाजी और हॉकी जैसे खेलों में भारत से बड़ी उम्मीदें हैं। लेकिन केवल पदक जीतना पर्याप्त नहीं है। पदक के बाद उस खिलाड़ी की उपलब्धि को देश के युवाओं तक पहुंचाना भी उतना ही जरूरी है। उसे प्रेरणा का स्त्रोत बनाना होगा।

पैरा–खेलों ने इस दिशा में एक मिसाल पेश की है। दिव्यांग खिलाड़ियों ने सीमित संसाधनों और अनेक चुनौतियों के बावजूद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है। उनके संघर्ष और उपलब्धियों को व्यापक मंच मिलने से समाज में उनके प्रति सम्मान भी बढ़ा है। यही तरीका दूसरे खेलों के लिए भी अपनाया जा सकता है।

भारत को क्रिकेट से प्रतिस्पर्धा करने के लिए क्रिकेट को कमजोर करने की जरूरत नहीं है। जरूरत इस बात की है कि क्रिकेट की सफलता से सीख लेकर दूसरे खेलों के लिए भी मजबूत दर्शक वर्ग तैयार किया जाए। खिलाड़ियों को सितारा बनाने का अर्थ केवल उनका प्रचार करना नहीं, बल्कि उनकी उपलब्धियों को देश की सामूहिक स्मृति का हिस्सा बनाना है।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर सबसे बड़ा संकल्प यही होना चाहिए कि भारत में खेलों का अर्थ केवल क्रिकेट तक सीमित न रहे। हर खेल को सम्मान, हर खिलाड़ी को उचित मंच और हर प्रतिभा को आगे बढ़ने का अवसर मिले। बेहतर प्रशिक्षण, मजबूत आधारभूत ढांचा, पारदर्शी खेल प्रशासन और प्रभावी प्रचार–इन चारों के मेल से भारतीय खेल नई ऊंचाई हासिल कर सकते हैं।

भारत के पास प्रतिभा भी है, युवा शक्ति भी और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाने की क्षमता भी। आवश्यकता केवल इस क्षमता को सही दिशा देने की है। क्रिकेट ने दिखाया है कि खेल को लोकप्रिय बनाने के लिए प्रतिभा के साथ कहानी, प्रचार और दर्शकों से जुड़ाव भी जरूरी है। अब समय है कि भारत के दूसरे खेल भी इस सीख को अपनाएं। अवसर हमारे सामने है; उसे गंवाने के बजाय उसे भारत की खेल शक्ति में बदलना होगा।

गुरनूर बरार की हुई एंट्री

दलीप ट्रॉफी 2026 : सेमीफाइनल से पहले नॉर्थ जोन में बदलाव

यूनिक समय, नई दिल्ली। दलीप ट्रॉफी 2026 के सेमीफाइनल मुकाबलों से पहले नॉर्थ जोन के स्क्वाड में बड़ा बदलाव हुआ है। श्रीलंका दौरे से लौटे तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को टीम में शामिल किया गया है। दलीप ट्रॉफी के दोनों सेमीफाइनल मुकाबले 30 अगस्त से खेले जाएंगे, जिसमें नॉर्थ जोन का सामना साउथ जोन से होगा। ऐसे में गुरनूर के पास घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर अपनी दावेदारी मजबूत करने का मौका है।

गुरनूर बरार श्रीलंका दौरे पर भारतीय टेस्ट टीम का हिस्सा थे, लेकिन उन्हें दोनों टेस्ट मैचों में प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली थी। अब बीसीसीआई ने उन्हें दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल के लिए, नॉर्थ जोन में शामिल किया है। माना जा रहा है कि उन्हें साउथ जोन के खिलाफ मुकाबले में खेलने का मौका मिल सकता है। यह मैच उनके लिए खुद को साबित करने के लिहाज से काफी अहम होगा।

भारतीय टीम को इसके बाद न्यूजीलैंड के दौरे पर टेस्ट सीरीज खेलनी है। न्यूजीलैंड की परिस्थितियां तेज गेंदबाजों के लिए काफी अनुकूल मानी जाती हैं। ऐसे में उससे पहले बीसीसीआई युवा तेज गेंदबाजों के प्रदर्शन पर नजर रख रहा है। गुरनूर भी लंबे समय से भारतीय टेस्ट स्क्वाड का हिस्सा रहे हैं, लेकिन उन्हें अभी इंटरनेशनल टेस्ट डेब्यू का इंतजार है। दलीप ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन उन्हें टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन में जगह बनाने की रेस में आगे कर सकता है।

23 साल के गुरनूर का फर्स्ट क्लास क्रिकेट में रिकॉर्ड भी प्रभावशाली है। उन्होंने 19 मैचों में 25.24 की औसत से 62 विकेट अपने नाम किए हैं। वहीं वनडे क्रिकेट में उन्होंने 6 मुकाबलों में 11 विकेट हासिल किए हैं। पंजाब के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाले गुरनूर अब दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में अपनी गेंदबाजी का दम दिखाने के लिए तैयार हैं।

श्रीलंका दौरे पर खेलने का मौका नहीं मिलने के बाद अब गुरनूर के पास बड़ा मंच है। साउथ जोन के खिलाफ उनका प्रदर्शन न सिर्फ नॉर्थ जोन के लिए अहम होगा, बल्कि न्यूजीलैंड दौरे से पहले भारतीय टीम के चयनकर्ताओं का ध्यान भी अपनी ओर खींच सकता है।

मारपीट के दावों पर काजल राघवानी का बड़ा खुलासा

खेसारी जी ने नहीं मारा 'बोली– राघवानी

यूनिक समय, नई दिल्ली। भोजपुरी रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' में इन दिनों एक के बाद एक चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। अब एक्ट्रेस काजल राघवानी ने अपने साथ हुई कथित मारपीट को लेकर बड़ा बयान दिया है। लंबे समय से ऐसी चर्चाएं थीं कि खेसारी लाल यादव ने काजल के साथ मारपीट की थी, लेकिन शो में अभिनेत्री ने इन दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया।

शो के प्रोमो में होस्ट शुभांकर मिश्रा ने काजल से इस मामले पर सवाल किया और कहा कि 99 प्रतिशत लोगों को लगता है कि उनके साथ मारपीट खेसारी लाल यादव ने की थी। इस पर काजल ने साफ कहा, "खेसारी जी ने मुझे नहीं मारा है।" जब उनसे पूछा गया कि फिर उन्हें किसने मारा और क्या वह उस शख्स का नाम बता सकती हैं, तो काजल ने कहा कि जब उन्होंने अपने लिए लड़ने की हिम्मत जुटाई है तो उस व्यक्ति का नाम भी लेंगी।

हालांकि, काजल ने यह भी बताया कि वह फिलहाल उस शख्स का नाम लेने से क्यों डर रही हैं। अभिनेत्री के मुताबिक, उन्हें धमकी दी गई है कि उन्हें मुंबई से गायब कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने साथ–साथ अपने परिवार की भी चिंता है और वह नहीं चाहतीं कि उनके परिवार को किसी तरह का नुकसान पहुंचे। काजल ने बार–बार यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले में न तो खेसारी लाल यादव और न ही पवन सिंह का हाथ है।

काजल और खेसारी के बीच विवाद की जड़ काफी पुरानी है। 2021 में दोनों के बीच मतभेद खुलकर सामने आए थे। एक फिल्म इवेंट के दौरान खेसारी ने ऐलान किया था कि वह काजल के साथ आगे काम नहीं करेंगे। इसके बाद काजल ने भी अपने स्टारडम को लेकर बयान दिया था और कहा था कि उनकी सफलता में खेसारी का योगदान नहीं है।

काजल के इस नए बयान के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर वह शख्स कौन है, जिसका नाम लेने की बात अभिनेत्री ने कही है। फिलहाल दर्शकों को शो के अगले एपिसोड का इंतजार है, जहां इस राज से पर्दा उठ सकता है।

नीरज चोपड़ा एशियन गेम्स से हुए बाहर, चोट ने रोका सीजन

फैंस को लगा बड़ा झटका

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत के स्टार जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा को लेकर फैंस के लिए बुरी खबर सामने आई है।

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा चोट के कारण 2026 सीजन के बाकी बचे सभी मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। इसका मतलब है कि वह अगले महीने होने वाले एशियन गेम्स के साथ–साथ डायमंड लीग फाइनल्स में भी हिस्सा नहीं ले पाएंगे। एशियन गेम्स में नीरज से गोल्ड मेडल की बड़ी उम्मीदें थीं, ऐसे में उनका बाहर होना भारतीय खेल प्रेमियों के लिए बड़ा झटका है।

नीरज ने सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस को इस फैसले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ट्रेनिंग के दौरान उनके टखने में लिगामेंट फट गया। चोट के बाद डॉक्टर और अपनी टीम से सलाह लेने के बाद उन्होंने इस सीजन के बाकी इवेंट्स में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया। नीरज ने साफ किया कि इस समय उनका पूरा ध्यान चोट से उबरने और पूरी तरह फिट होने पर रहेगा। खास बात यह है कि चोट की खबर से ठीक एक दिन पहले ही नीरज ने डायमंड लीग फाइनल्स के लिए क्वालीफाई किया था। ज्यूरिख में मुकाबला नहीं खेलने के बावजूद वह फाइनल की रेस में बने रहे और उनके नाम के आगे 'क्यू' मार्क लग गया था। लेकिन अगले ही दिन चोट के कारण उन्हें इस टूर्नामेंट से भी नाम वापस लेना पड़ा। 2026 में नीरज ने डायमंड लीग के दोहा और लुसाने चरणों में हिस्सा लिया और कुल 12 अंक हासिल किए। लुसाने में उन्होंने 88.05 मीटर का शानदार थ्रो करते हुए इस सीजन का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। हालांकि, वह महज 9 सेंटीमीटर के अंतर से पहले स्थान से चूक गए और दूसरे नंबर पर रहे।

अब नीरज का पूरा ध्यान रिकवरी पर होगा। फैंस को उम्मीद है कि वह चोट से पूरी तरह उबरकर अगले सीजन में दमदार वापसी करेंगे।

नेपाल की तबाही देख अमिताभ बच्चन बोले– 'ये असहनीय है'

यूनिक समय, नई दिल्ली। नेपाल में आई भीषण बाढ़ और फ्लैश फ्लड ने बड़े पैमाने पर तबाही मचा दी है। 26 अगस्त 2026 को आई इस प्राकृतिक आपदा के बाद प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव अभियान जारी है। चीन की सीमा के पास ग्लेशियर टूटने के बाद आई बाढ़ का सबसे ज्यादा असर रासुवा और मध्य नेपाल के कई क्षेत्रों में देखने को मिला है। इस त्रासदी में जनहानि और लापता लोगों की बढ़ती संख्या ने चिंता बढ़ा दी है। नेपाल में मची इस तबाही को देखकर बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन भी बेहद दुखी हैं। उन्होंने अपने हालिया ब्लॉग में प्राकृतिक आपदा पर चिंता जताते हुए इसे दर्दनाक और असहनीय बताया।

बिग बी ने लिखा कि कुदरत के कहर के सामने इंसान बेबस है और प्रकृति की शक्ति से मुकाबला करना संभव नहीं है। अमिताभ बच्चन ने कहा, "नेपाल में बाढ़ से हुई तबाही को देखना बेहद मुश्किल है। कुदरत के कहर से कभी नहीं लड़ा जा सकता। उसका सम्मान करना चाहिए। प्रकृति के कहर का सामना करने के लिए ईश्वरीय शक्ति की जरूरत होती है। हम सिर्फ प्रार्थना कर सकते हैं, क्योंकि यह सब कुछ ईश्वर के ऊपर है।" बिग बी से पहले अभिनेता अनुपम खेर भी नेपाल की स्थिति पर दुख जता चुके हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो संदेश साझा कर प्रभावित परिवारों और बाढ़ में जान गंवाने वालों के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि कुछ ही पलों में कई लोगों के घर, परिवार और जीवनभर की जमा पूंजी तबाही में खत्म हो गई।

वर्कफ्रंट की बात करें तो अमिताभ बच्चन इन दिनों 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल को लेकर चर्चा में हैं। इसके अलावा वह 'कौन बनेगा करोड़पति' के नए सीजन को लेकर भी सुर्खियों में हैं।

इमरान हाशमी को हुआ एच1एन1 स्वाइन फ्लू

बेंगलुरु शो हुआ पोस्टपोन, बोले– 'मैं काफी बीमार हूं'

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर इमरान हाशमी इन दिनों अपनी सेहत को लेकर सुर्खियों में हैं। 'आवारापन 2' स्टार इमरान हाशमी एच1एन1 स्वाइन फ्लू की चपेट में आ गए हैं। बीमारी के चलते उनकी तबीयत काफी खराब है, जिसकी वजह से उन्हें बेंगलुरु में होने वाला अपना शो पोस्टपोन करना पड़ा। एक्टर ने सोशल मीडिया पर खुद अपनी हेल्थ अपडेट शेयर कर फैंस को इसकी जानकारी दी।

एएनआई के मुताबिक, इमरान हाशमी हाल ही में शूटिंग और काम के सिलसिले में रांची समेत कई जगहों की यात्रा कर रहे थे। वापस लौटने के बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। कुछ दिनों तक स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के बाद उन्होंने मेडिकल टेस्ट कराया, जिसमें एच1एन1 स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई। 28 अगस्त को उनकी टेस्ट रिपोर्ट पॉजिटिव आई।

29 अगस्त को इमरान ने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए बेंगलुरु शो में शामिल न हो पाने की जानकारी दी। उन्होंने लिखा, "हे बैंगलोर, मेरी तबीयत बहुत खराब है और दुर्भाग्य से मैं बैंगलोर शो में नहीं आ पाऊंगा। लेकिन पिक्चर खत्म नहीं हुई है, बस पोस्टपोन हुई है! मैं आप सभी से 12 सितंबर, शनिवार को सनबर्न यूनियन में मिलूंगा। आपकी टिकटें नई तारीख के लिए भी मान्य रहेंगी।"

वर्कफ्रंट की बात करें तो इमरान हाल ही में 'आवारापन 2' में नजर आए थे। फिल्म में उनके साथ दिशा पाटनी मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा वह 'गनमास्टर जी9', 'रूह' और 'जी2' जैसी फिल्मों में भी दिखाई देंगे। 'आवारापन 2' ने बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार प्रदर्शन करते हुए दुनियाभर में करीब 205.10 करोड़ रुपये की ग्रॉस कमाई की है।

बरेली के पांच मंजिला अस्पताल में लगी भीषण आग, मचा हड़कम्प

वार्डों में धुआं भरने से मरीजों में मची अफरा तफरी

गोद में नवजात लेकर बाहर भागे परिजन सभी सुरक्षित

यूनिक समय, बरेली। इज्जतनगर थाना क्षेत्र के मिनी बाईपास स्थित पांच मंजिला नवोदय अस्पताल में शनिवार सुबह आग लगने से अफरा–तफरी मच गई। आग सुबह करीब दस बजे सबसे ऊपरी मंजिल पर बने एक कमरे में लगी। कुछ ही देर में कमरे में रखा सामान आग की चपेट में आ गया और धुआं पूरे अस्पताल में फैल गया। फायर अलार्म बजते ही मरीजों और तीमारदारों में हड़कंप मच गया।

अस्पताल में उस समय करीब सौ मरीज और तीमारदार मौजूद थे। परिजन नवजात बच्चों को गोद में लेकर बाहर भागे, जबकि कर्मचारियों ने गहन चिकित्सा कक्ष में भर्ती गंभीर मरीजों को स्ट्रेचर से बाहर निकाला। ऊपरी मंजिल पर फंसे चार–पांच लोगों को भी दमकलकर्मियों ने सीढ़ियों के रास्ते सुरक्षित नीचे उतारा। सूचना पर दमकल और पुलिस की टीमें पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

इसके बाद अस्पताल की तलाशी लेकर किसी के अंदर फंसे होने की जांच की गई। एहतियात के तौर पर सभी मरीजों को पास के अन्य अस्पतालों में स्थानांतरित कर दिया गया। अस्पताल संचालक के अनुसार आग एक विश्राम कक्ष में लगी थी। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। हादसे में किसी मरीज या अन्य व्यक्ति के हताहत होने की सूचना नहीं है।

बरेली में भाजपा नेता की चाकू से गोदकर हत्या

पैसों के लेनदेन के विवाद में हत्या की आशंका

पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर शुरू की तलाश

यूनिक समय, बरेली। सुभाषनगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात भाजपा नेता सचिन कश्यप (28) की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। वह खाना खाने के बाद रात करीब दस बजे घर से टहलने निकले थे। घर से लगभग 500 मीटर दूर पहले से घात लगाए बैठे हमलावरों ने उन्हें घेर लिया और गाली–गलौज के बाद चाकू से हमला कर दिया।

सचिन की चीख–पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो हमलावर बाइक से फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल सचिन को परिजन और स्थानीय लोग अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सचिन भाजपा ओबीसी मोर्चा के मंडल उपाध्यक्ष होने के साथ एक मुद्रणालय में काम करते थे। उनके परिवार में पत्नी, तीन बच्चे, माता–पिता और भाई–बहन हैं। परिजनों के अनुसार, सचिन का कुछ समय पहले बाबू नाम के युवक से पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद हुआ था। बाद में समझौता हो गया था, लेकिन रंजिश बनी हुई थी। परिजनों ने इसी विवाद में हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। क्षेत्राधिकारी नितिन कुमार ने बताया कि आरोपियों की पहचान कर ली गई है। गिरफ्तारी के लिए कई टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अंकित की पत्नी ने मांगा इंसाफ की हत्यारों पर कार्रवाई की मांग

पति के हत्यारों की गिरफ्तारी को लेकर रोते हुए लगाई गुहार

चार दिन बाद भी आरोपियों का सुराग नहीं लगा

यूनिक समय, शामली। हरियाणवी गायक और अभिनेता अंकित बालियान की दिनदहाड़े हत्या के चार दिन बाद उनकी पत्नी सीमा पहली बार मीडिया के सामने आईं। पति की हत्या से टूट चुकीं सीमा ने रोते हुए मुख्यमंत्री से न्याय की गुहार लगाई। उन्होंने कहा कि परिवार का सहारा छिन गया है और हत्यारों को जल्द गिरफ्तार कर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

सीमा ने बताया कि हत्या से पहले अंकित को हाल में कोई धमकी नहीं मिली थी। वर्ष 2022–23 में जरूर एक संदिग्ध फोन आया था, जिसकी शिकायत पुलिस से की गई थी। उन्होंने जिम में विवाद की चर्चाओं से भी अनभिज्ञता जताई और कहा कि अंकित राज अपनी दिनचर्या के अनुसार जिम जाते थे।

अंकित की 26 अगस्त को शामली में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस को वारदात के बाद का सीसीटीवी फुटेज मिला है, जिसमें चार संदिग्ध पैदल भागते दिखाई दे रहे हैं। जांच में पानीपत और करनाल के शूटरों का कोण भी सामने आया है। हरियाणा पुलिस की विशेष टीमों के साथ कई जांच दल आरोपियों की तलाश में जुटे हैं।

पुलिस ने शामली, रोहतक, पानीपत, सोनीपत और दिल्ली में दबिश देकर संदिग्धों से पूछताछ की है। दो लोगों को हिरासत में लिए जाने की जानकारी भी सामने आई है। सोशल मीडिया पर दो लोगों द्वारा हत्या की जिम्मेदारी लेने के दावों की भी जांच की जा रही है।

69 हजार शिक्षक भर्ती में आरक्षण को लेकर फिर आंदोलन

मंत्री आवास के सामने अभ्यर्थियों ने शुरू की भूख हड़ताल

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से पहले नियुक्ति की मांग

यूनिक समय, लखनऊ। 69 हजार शिक्षक भर्ती में आरक्षण को लेकर अभ्यर्थियों का आंदोलन एक बार फिर शुरू हो गया है। शनिवार को अभ्यर्थी बेसिक शिक्षा मंत्री के आवास के सामने भूख हड़ताल पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों ने आरक्षण दो, न्याय दो की मांग उठाते हुए सरकार से नियुक्ति प्रक्रिया पूरी कराने की मांग की।

अभ्यर्थियों का कहना है कि 69 हजार शिक्षक भर्ती मामले की सुनवाई सर्वोच्च न्यायालय में आठ सितंबर को प्रस्तावित है। उनका आरोप है कि सरकार न्यायालय में उन अभ्यर्थियों का पक्ष मजबूती से नहीं रख रही है, जिनकी चयन सूची चार वर्ष पहले जारी हो चुकी है। अभ्यर्थियों के अनुसार, 6800 अन्य पिछड़ा वर्ग और दलित अभ्यर्थियों की सूची पांच जनवरी 2022 को जारी की गई थी, लेकिन अब तक नियुक्ति नहीं मिली।

अयोध्या से प्रदर्शन में पहुंचीं अर्चना शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद सूची जारी हुई थी, लेकिन नियुक्ति का इंतजार अभी खत्म नहीं हुआ। अभ्यर्थी आशुतोष पटेल ने कहा कि विभाग को न्यायालय में सूची के पक्ष में पैरवी करनी चाहिए।

यशवंत ने बताया कि आंदोलन अनवरत चलेगा और मुख्यमंत्री से मुलाकात नहीं होने पर सामूहिक भूख हड़ताल की जाएगी।

आगरा थाने से चोरी ट्रक, 629 किलोमीटर दूर हुआ बरामद

ओवरलोडिंग में सीज ट्रक दूसरी चाबी से निकाला गया

मालिक और बेटे को पकड़कर पुलिस ने बाद में छोड़ा

यूनिक समय, आगरा। एकता थाने से चोरी हुआ ओवरलोडिंग में सीज ट्रक करीब 629 किलोमीटर दूर सिद्धार्थनगर से बरामद किया गया। पुलिस ने टोल प्लाजा के सीसीटीवी फुटेज की मदद से ट्रक का पीछा कर उसे बरामद किया। हालांकि, थाने से ट्रक चोरी होने के बावजूद मामले में मुकदमा दर्ज नहीं किया गया।

राजस्थान के अलवर निवासी कालूराम दो अगस्त को ट्रक लेकर आगरा आए थे। यात्री कर अधिकारी ने ओवरलोडिंग के चलते ट्रक को सीज कर 69,500 रुपये का जुर्माना लगाया था। ट्रक की चाबी एकता थाने में जमा करा दी गई थी। पांच अगस्त की रात ट्रक थाने से गायब हो गया।

पुलिस ने लखनऊएक्सप्रेसवे समेत अन्य टोल प्लाजा के सीसीटीवी खंगाले और ट्रक का पता लगाया। सिद्धार्थनगर पुलिस की मदद से ट्रक बरामद कर लिया गया। पुलिस ने ट्रक मालिक और उसके बेटे को भी पकड़ लिया। पूछताछ में बेटे द्वारा दूसरी चाबी से ट्रक ले जाने की बात सामने आई। इसके बावजूद दोनों को छोड़ दिया गया।

बाद में ट्रक मालिक ने आरटीओ कार्यालय में जुर्माना जमा कर वाहन छुड़ा लिया। डीसीपी सिटी सैयद अली अब्बास ने मामला संज्ञान में आने की पुष्टि करते हुए जांच और दोषियों पर कार्रवाई की बात कही।

गंगनहर में उतरे भाकियू कार्यकर्ता किया जल सत्याग्रह

यूजीसी विधेयक वापस लेने और आरक्षण खत्म करने की मांग

योग्यता आधारित समान शिक्षा व्यवस्था लागू करने पर जोर

यूनिक समय, मेरठ। सलावा स्थित मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय के पास शनिवार को भारतीय किसान यूनियन (क्रांतिकारी) के कार्यकर्ताओं ने गंगनहर में उतरकर जल सत्याग्रह किया। हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर कार्यकर्ताओं ने शिक्षा व्यवस्था से जुड़े नियमों का विरोध किया। उन्होंने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विधेयक वापस लेने और जातिगत आरक्षण व्यवस्था समाप्त करने की मांग उठाई।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने कहा कि देश में शिक्षा और अवसरों की व्यवस्था समान होनी चाहिए।

संगठन के अध्यक्ष राजीव राणा ने कहा कि जाति और आरक्षण के आधार पर अधिकार देने के बजाय योग्यता को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि शिक्षा पर किसी एक वर्ग का वर्चस्व नहीं होना चाहिए और पूरे देश में समान शिक्षा व्यवस्था लागू की जानी चाहिए।

कार्यकर्ताओं ने गंगनहर के पानी में घंटों खड़े रहकर अपनी मांगों के समर्थन में नारे लगाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर सरकार ने ध्यान नहीं दिया तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। प्रदर्शन को देखते हुए मौके पर पुलिस बल तैनात रहा।

फ्लू के बढ़ते मामलों पर सरकार सतर्क, अस्पतालों को निर्देश

डिप्टी सीएम ने दवा ऑक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित कराई

गंभीर मरीजों के लिए अलग व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एच–1 एन–1 और मौसमी फ्लू के बढ़ते मामलों को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने सतर्कता बढ़ा दी है। उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक ने शनिवार को प्रदेश के स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ वीडियो बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अस्पतालों में दवाओं, ऑक्सीजन और जरूरी उपकरणों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही लोगों से घबराने के बजाय सावधानी बरतने की अपील की।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सांस लेने में परेशानी जैसे लक्षणों के साथ अस्पताल पहुंचने वाले गंभीर मरीजों की फ्लू जांच कराई जाए। फ्लू जैसे लक्षण या सांस संबंधी संक्रमण वाले मरीजों के संपर्क में आने वालों में लक्षण मिलने पर चिकित्सकीय सलाह के अनुसार समय से विषाणुरोधी दवाएं शुरू की जाएं। अस्पतालों में उपचार के लिए पर्याप्त मात्रा में एच–1 एन–1 की दवा, ऑक्सीजन, भाप लेने की मशीन, ऑक्सीजन मास्क और श्वसन संबंधी दवाओं का भंडार रखने को कहा गया।

जिन जिलों में फ्लू के मामले अधिक हैं, वहां सांस संबंधी शिकायत वाले मरीजों के लिए अलग बाह्य रोगी विभाग संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। गंभीर मरीजों के उपचार के लिए जिला और संयुक्त अस्पतालों में चार से छह अलग बिस्तर तैयार रखने को कहा गया है। बुखार और फ्लू के मरीजों के लिए अलग पंजीकरण काउंटर बनाने के भी निर्देश दिए गए।

उपमुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य भवन स्थित केंद्रीय नियंत्रण केंद्र से अस्पतालों की सुविधाओं की ऑनलाइन निगरानी की। नेपाल सीमा से लगे जिलों में विशेष सतर्कता बरतने और आने वाले मरीजों को तत्काल उपचार उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने मास्क, हाथों की स्वच्छता और खांसी के समय सावधानी बरतने के प्रति लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिए।

जिंदगी उजड़ी, अपनों की तलाश में भटक रहे लोग

ग्लेशियर टूटने का खौफनाक वीडियो आया सामने

यूनिक समय, नई दिल्ली। नेपाल में 26 अगस्त को ग्लेशियर टूटने और भूस्खलन के बाद आई अचानक बाढ़ ने भारी तबाही मचाई। घटना के तीन दिन बाद ग्लेशियर टूटने का वीडियो सामने आया है। तिब्बत में एक ऊंचे स्थान से भ्रमण करने वाले दल ने इस घटना को कैमरे में दर्ज किया। वीडियो में बर्फ और चट्टानों से बना करीब 800 मीटर लंबा हिस्सा टूटकर घाटी में गिरता दिखाई दे रहा है। इसके बाद

800 मीटर बर्फीला हिस्सा घाटी में गिरा,अब तक 633 लोगों की मौत 2500 लोग लापता

त्रिशूली सुरंग में फंसे लोगों का बचाव जारी, भारत ने बढ़ाया मदद का हाथ नेपाल ने जताया आभार

धूल, मलबे और पानी का तेज बहाव पूरे क्षेत्र में फैल गया।

भ्रमण दल के सदस्य जब नीचे पहुंचे तो कई रास्ते बंद मिले। इसके बाद उन्हें बाढ़ और भूस्खलन से हुई भारी तबाही की जानकारी मिली। नेपाल और तिब्बत में इस आपदा के कारण अब तक 633 लोगों की मौत की सूचना है, जबकि करीब 2500 लोग लापता बताए जा रहे हैं। इनमें 320 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। करीब 400 भारतीयों के तिब्बत में फंसे होने की जानकारी सामने आई है।

नेपाल के रसुवा जिले में त्रिशूली–3ए जलविद्युत परियोजना की सुरंग में लोगों के फंसे होने की आशंका के बीच बचाव अभियान तेज कर दिया गया है। भारत की एक बचाव टीम भी त्रिशूली पहुंची है। टीम पहले हेलीकॉप्टर से प्रभावित क्षेत्रों का हवाई निरीक्षण करेगी और स्थिति के अनुसार अभियान आगे बढ़ाएगी। सुरंग का रास्ता खोलने के लिए मलबा और मिट्टी हटाने का काम जारी है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्रीय गृह मंत्री को पत्र लिखकर नेपाल के लिए मानवीय सहायता बढ़ाने और जरूरत पड़ने पर राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की टीमें भेजने की अपील की है। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में भारत को नेपाल के साथ मजबूती से खड़ा रहना चाहिए। वहीं, नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने भारत के सहयोग और समर्थन के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का आभार जताया। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में भी गंडक नदी से तीन शव बरामद किए गए हैं। अधिकारियों को आशंका है कि ये शव नेपाल की बाढ़ में बहकर भारत पहुंचे हैं।

बीपीएससी परीक्षा के विरोध में निकाला गया अधिकार मार्च

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार लोक सेवा आयोग की 70वीं परीक्षा में कथित अनियमितताओं के विरोध में शनिवार को आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) और भीम आर्मी के नेतृत्व में अधिकार मार्च निकाला गया। गांधी मैदान से शुरू हुआ मार्च जेपी गोलंबर पहुंचा, जहां पुलिस ने बैरिकेडिंग कर प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोक दिया। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच नोकझोंक हुई। पुलिस ने करीब 20 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया।

जेपी गोलंबर पर पुलिस ने रोका प्रदर्शनकारियों को

परीक्षा रद्द करने समेत कई मांगें उठाईं

प्रदर्शनकारियों ने परीक्षा प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए 70वीं बीपीएससी परीक्षा की न्यायिक जांच कराने की मांग की। उनका आरोप है कि गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर अभ्यर्थियों के साथ भेदभाव हुआ है। प्रदर्शनकारियों ने आयोग के अध्यक्ष के खिलाफ कार्रवाई और परीक्षा प्रक्रिया रद्द करने की मांग भी उठाई।

मार्च को देखते हुए गांधी मैदान और आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। जेपी गोलंबर पर पुलिस ने रास्ता रोककर प्रदर्शनकारियों को आगे जाने से रोका। इसी दौरान धक्का–मुक्की और नोकझोंक की स्थिति बनी। प्रदर्शनकारियों ने अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए ऑनलाइन प्राथमिकी दर्ज करने की सुविधा तथा बिहार की भर्तियों में 85 प्रतिशत स्थानीय निवास नीति लागू करने की मांग रखी। सफाई कर्मचारियों के वेतन, रोजगार और सुरक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग भी उठाई गई। प्रदर्शनकारियों ने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि जब तक परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े विवादों का समाधान नहीं होता, आंदोलन जारी रहेगा। प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों से शांति बनाए रखने और अपनी मांगें कानूनी माध्यम से रखने की अपील की।

मराठा आरक्षण को लेकर जरांगे का फिर अनशन शुरू

यूनिक समय, नई दिल्ली। मराठा आरक्षण की मांग को लेकर आंदोलनकारी मनोज जरांगे ने शनिवार को जालना जिले के अंतरवाली सराटी गांव में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार से पात्र मराठा लोगों को उपलब्ध 58 लाख कुनबी अभिलेखों के आधार पर जाति प्रमाणपत्र जारी करने की मांग की है। जरांगे ने कहा कि समुदाय अब सरकार को इस मुद्दे पर और समय देने के लिए तैयार नहीं है।

उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर मराठा समाज के प्रति पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाया। हालांकि, उनके लगाए आरोपों पर सरकार की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। जरांगे ने कहा कि यदि उनकी मांगों का समाधान नहीं हुआ तो समर्थकों के साथ मुंबई में मुख्यमंत्री के सरकारी आवास वर्षा की ओर मार्च किया जाएगा।

जरांगे ने जाति सत्यापन समिति को समाप्त करने की मांग भी उठाई। उनका कहना है कि वैध दस्तावेज होने के बावजूद प्रमाणपत्र जारी करने में अड़चनें पैदा की जा रही हैं। उन्होंने सातारा राजपत्र के आधार पर आरक्षण देने, आंदोलनकारियों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने और आंदोलन के दौरान जान गंवाने वालों के परिजनों को सरकारी नौकरी व आर्थिक सहायता देने की मांग की। जरांगे ने समर्थकों से आंदोलन स्थल पर पहुंचकर आंदोलन को मजबूत करने की अपील की है।

अंतिम संस्कार में पहुंचे संकीर्तन कलाकार की अचानक मौत

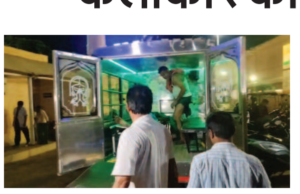

प्रतीक्षालय में अचानक बेहोश होकर गिर पड़े

अंतिम यात्रा में आए थे, खुद की निकली अंतिम यात्रा

यूनिक समय, नई दिल्ली। पुरी के प्रसिद्ध स्वर्गद्वार में अंतिम संस्कार के दौरान उस समय माहौल गमगीन हो गया, जब संकीर्तन मंडली में शामिल एक कलाकार की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। मृतक की पहचान गजपति नगर निवासी प्रभात साहू के रूप में हुई है। वह एक शव की अंतिम यात्रा में अन्य संकीर्तन कलाकारों के साथ स्वर्गद्वार पहुंचे थे।

जानकारी के अनुसार, अंतिम यात्रा के दौरान प्रभात साहू संकीर्तन करते हुए स्वर्गद्वार पहुंचे। वहां कुछ देर बाद वह प्रतीक्षालय में बैठ गए। इसी दौरान अचानक बेहोश होकर नीचे गिर पड़े। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल उन्हें पुरी चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनकी अचानक मौत से संकीर्तन मंडली और वहां मौजूद लोगों में शोक छा गया।

प्रभात साहू की अचानक मौत से परिजन और संकीर्तन मंडली के सदस्य सदमे में हैं। जिस स्थान पर वह दूसरे व्यक्ति की अंतिम विदाई में शामिल होने पहुंचे थे, वहीं उनकी भी जीवन यात्रा समाप्त हो गई। घटना के बाद स्वर्गद्वार में कुछ समय तक शोक का माहौल बना रहा।

खरगे के 'शुद्धिकरण' पर राहुल का भाजपा पर तीखा हमला

दलितों से भेदभाव का आरोप, खरगे के लिए मांगा न्याय

यूनिक समय, नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को प्रेस वार्ता में दलितों के मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार और भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश में आज भी दलितों के साथ भेदभाव की घटनाएं सामने आती हैं। राहुल ने कहा कि संविधान डॉ. भीमराव आंबेडकर, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और सरदार पटेल की विचारधारा का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि मौजूदा राजनीतिक संघर्ष को संविधान और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा के बीच लड़ाई के रूप में देखा जाना चाहिए। राहुल गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के हल्द्वानी कार्यक्रम के बाद कथित शुद्धिकरण की घटना का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि किसी दलित नेता के कार्यक्रम के बाद इस तरह की गतिविधि करना छुआछूत का दूसरा रूप है। राहुल ने इसे संविधान की भावना के खिलाफ बताते हुए संबंधित लोगों पर प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। उन्होंने कहा कि खरगे के अपमान के मामले में न्याय जरूर मिलेगा। राहुल ने कहा कि दलितों के साथ भेदभाव पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई स्थानों पर आज भी सामाजिक भेदभाव देखने को मिलता है।

भाजपा संगठन से जुड़े सवाल पर राहुल ने कहा कि उन्हें पार्टी के नए या पुराने संगठन से कोई मतलब नहीं है। उनकी लड़ाई विचारधारा और संविधान की रक्षा के लिए है।

गर्भवती पंजाबी कलाकार की जलाकर हत्या, जांच तेज

यूनिक समय, नई दिल्ली। पंजाबी सोशल मीडिया कलाकार मनजीत कौर की मौत के मामले में जांच आगे बढ़ने के साथ कई अहम तथ्य सामने आए हैं। पुलिस के अनुसार, घटना के समय मनजीत करीब तीन माह की गर्भवती थी। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि कहीं गर्भावस्था ही वारदात की वजह तो नहीं बनी। जानकारी के मुताबिक, तीन जुलाई की रात मनजीत को उसके परिचित शुभी और पिंदा ने चंडीगढ़ के सेक्टर–34 में बुलाया था। परिजनों का आरोप है कि दोनों उसे जबरन वाहन में बैठाकर मोरिंडा के जंगल क्षेत्र में ले गए। वहां उसके साथ मारपीट की गई और कथित तौर पर पेड़ से बांधकर आग लगा दी गई। एक परिचित ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाई और उसे अस्पताल पहुंचाया।

मनजीत को पहले मोरिंडा अस्पताल, फिर मोहाली के निजी अस्पताल और बाद में पीजीआई चंडीगढ़ भेजा गया। करीब दो

मौत के बाद अपहरण और हत्या का मामला दर्ज

महीने उपचार के बाद 26 अगस्त को उसकी मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, पांच अगस्त को मनजीत को होश आया था और उसने पुलिस के सामने बयान देने की इच्छा जताई थी। आरोप है कि सूचना मिलने के बावजूद पुलिस उसका बयान दर्ज करने नहीं पहुंची। अब इस पहलू की भी जांच की जा रही है। मनजीत की मौत के बाद 27 अगस्त को चंडीगढ़ पुलिस ने उसकी मां की शिकायत पर अपहरण और हत्या का मामला दर्ज किया। पुलिस आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है। सेक्टर–34 से मोरिंडा तक लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस यह भी जांच रही है कि घटना के बाद पंजाब पुलिस को सूचना दी गई थी या नहीं और यदि दी गई थी तो समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं हुई।

पिछले साल की अपेक्षा कम दिखी भीड़

पड़वा के चक्कर में थमी महिलाओं की मुफ्त बस यात्रा

पुराने बस स्टैंड पर सवारियों के इंतजार में खड़ी बसें।

नए बस स्टेशन पर सवारी नहीं होने से खड़ी बसें।

बस अड्डों पर आराम से सीटों पर बैठे यात्री

यूनिक समय, मथुरा। रक्षाबंधन पर भाई की कलाई पर राखी बांधने के लिए महिलाओं को प्रदेश सरकार की ओर से रोडवेज बसों में निशुल्क यात्रा की सुविधा दी गई। तीन दिन की निशुल्क यात्रा के आखिरी दिन शनिवार को पड़वा पड़ने के कारण बस अड्डों पर यात्रियों की भीड़ अपेक्षा से काफी कम दिखाई दी। दोपहर बाद से शाम तक पुराने और नए बस अड्डे पर बसें यात्रियों के इंतजार में खड़ी नजर आईं। बसों में भीड़ न होने से यात्रियों को सीट के लिए परेशान नहीं होना पड़ा।

रक्षाबंधन के दिन जहां बस अड्डों पर बहनों की भीड़ उमड़ने और बस आते ही सीट पाने के लिए यात्रियों के दौड़ने की तस्वीर दिखाई देती थी, वहीं शनिवार को रक्षाबंधन के दूसरे दिन माहौल पूरी तरह अलग दिखाई दिया। बसें आती रहीं और यात्री बिना किसी जल्दबाजी के आराम से बसों में सवार होते रहे। बस की खिड़कियों से चढ़ने की कोशिश या सीट पाने के लिए धक्का-मुक्की जैसी स्थिति भी देखने को नहीं मिली।

यूनिक समय टीम ने शनिवार को पुराने और नए बस अड्डे का हाल जाना तो शाम तक दोनों बस अड्डों पर यात्रियों की संख्या कम दिखाई दी। कई बसें निर्धारित समय पर खड़ी रहीं, लेकिन उनमें यात्रियों की संख्या काफी कम रही। बस आने पर यात्री आराम से सीट पर बैठते नजर आए। पिछले साल रक्षाबंधन के आसपास जिस तरह बस अड्डों पर यात्रियों की भीड़ दिखाई दी थी, इस बार आखिरी दिन वह नजारा नजर नहीं आया। महिलाओं की निशुल्क यात्रा का शनिवार को आखिरी दिन था। इसी दिन पड़वा पड़ने के कारण महिलाओं-पुरुषों ने यात्रा नहीं करने को भीड़ कम होने की प्रमुख वजह माना जा रहा है। त्योहार और पड़वा के चलते काफी महिलाओं ने शनिवार कम ही निकली। निशुल्क यात्रा की सुविधा का लाभ लेने वाली महिलाओं की संख्या रक्षाबंधन के पहले दो दिनों में अधिक रही, लेकिन शनिवार को यात्रा की रफ्तार कम हो गई। बस में चढ़ने के लिए मारामारी हुई और न ही सीट के लिए कोई परेशानी। वहीं, गोवर्धन चौराहा पर बसें खड़ी होकर सवारियों का इंतजार करतीं रहीं।

किसानों और पूर्व सैनिकों के धरने में पहुंचे समाजसेवी दयाराम

छाता चीनी मिल को शुरू कराने के लिए धरने में बैठे पूर्व सैनिकों का स्वागत करते दयाराम और ग्रामीण

यूनिक समय, छाता। स्थानीय चीनी मिल को दोबारा शुरू कराने सहित विभिन्न मांगों को लेकर जारी धरने में गांव शिवाल से समाजसेवी दयाराम अपने समर्थकों के साथ पहुंचे। उन्होंने धरना स्थल पर आंदोलनरत किसानों और पूर्व सैनिकों का स्वागत कर अपना समर्थन दिया। धरना स्थल पर उपस्थित किसानों, पूर्व सैनिकों और ग्रामीणों को संबोधित करते हुए समाजसेवी दयाराम भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि किसान देश का अन्नदाता है, जबकि जवान देश की सीमाओं और व्यवस्था की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। किसानों और पूर्व सैनिकों की न्यायसंगत मांगों के समाधान के लिए वह उनके साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि जब तक किसानों की समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं होता और चीनी मिल से जुड़ी उनकी मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं होती, तब तक वह आंदोलन में अपना सहयोग जारी रखेंगे। उन्होंने किसानों और पूर्व सैनिकों के धैर्य और संघर्ष की सराहना करते हुए कहा कि वे हर परिस्थिति में उनके साथ मजबूती से खड़े रहेंगे। धरना स्थल पर बड़ी संख्या में ग्रामीण, किसान और पूर्व सैनिक मौजूद रहे।

घेवर के साथ डिब्बा भी तोला, प्रतिष्ठित हलवाईयों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

यूनिक समय, कोसीकलां। रक्षाबंधन पर नगर में घेवर की जमकर बिक्री हुई, लेकिन कई प्रतिष्ठित हलवाईयों ने घेवर के साथ डिब्बे का वजन भी तोल दिया। 100 से 150 ग्राम वजनी डिब्बे के साथ मिठाई तोले जाने से ग्राहकों को प्रति किलो 60 से 90 रुपये तक का नुकसान उठाना पड़ा। ग्राहकों ने बताया कि 600 से 700 रुपये किलो बिक रहे घेवर के साथ डिब्बा तोलना गलत है। विरोध करने पर दुकानदारों ने कहा कि इसी तरह से बिक्री होती है। त्योहार का मौका होने के कारण लोगों ने हंगामा तो नहीं किया, लेकिन अब लोगों ने खाद्य विभाग और प्रशासन से ऐसे प्रतिष्ठित हलवाईयों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है, जो डिब्बे का वजन भी मिठाई के साथ तोल रहे हैं।

अनाज मंडी में गूंजेगी ताल जन्माष्टमी पर होगा कुश्ती दंगल

यूनिक समय, कोसीकलां। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर नगर की अनाज मंडी में पांच सितंबर को विराट कुश्ती दंगल का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए कैबिनेट मंत्री के प्रतिनिधि नरदेव चौधरी ने बताया कि दंगल का शुभारंभ कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण करेंगे। दोपहर 2 बजे से शुरू होने वाले इस दंगल में हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों के नामी पहलवान अपनी ताकत और दांव-पेंच का प्रदर्शन करेंगे। विजेता पहलवानों को सम्मानित किया जाएगा।

सीसी कैमरे में कैद होने के बाद भी चोर पकड़ से दूर

पीड़ित ने उठाए पुलिस की कार्यशैली पर सवाल

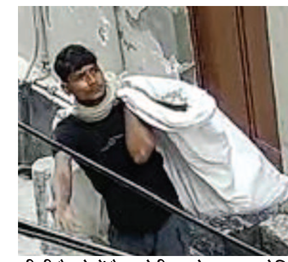
सीसी कैमरे में कैद चोरी करने वाला आरोपित।

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर के गोपालनगर में निर्माणाधीन मकान से हुई चोरी की वारदात में पुलिस की लापरवाही सामने आई है। चोर की तस्वीर सीसी कैमरों में साफ कैद होने के बाद भी तीन दिन बाद तक पुलिस चोर तक नहीं पहुंच सकी है। गोपालनगर निवासी राजवीर शर्मा पुत्र पूर्व विधायक स्व. किशोरी श्याम शर्मा के निर्माणाधीन मकान से 26 अगस्त को दिनदहाड़े अज्ञात चोर पीछे के रास्ते से घुसकर हजारों रुपये की विद्युत फिटिंग का सामान चोरी कर ले गया।

घटना का सीसीटीवी फुटेज भी मौजूद है, जिसमें चोर सामान सिर पर रखकर ले जाता साफ दिख रहा है।

पीड़ित का आरोप है कि उसी दिन कस्बा पुलिस चौकी में लिखित शिकायत और सीसीटीवी फुटेज दी गई थी, लेकिन पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया। न तो पुलिस ने मौके पर जाकर जांच की और न ही फुटेज के आधार पर चोर की पहचान करने की कोशिश की। तीन दिन बाद भी पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई न होने से लोगों में पुलिस के प्रति आक्रोश है।

शिकागो में अप्रवासी भारतीयों ने निकाली तिरंगा यात्रा

शिकागो में अप्रवासी भारतीय के साथ तिरंगा यात्रा निकालते हुए भागवत प्रवक्ता देवकीनंदन ठाकुर।

एफआईए के बैनर तले हुआ आयोजन

देशभक्ति के नारों से गूंजे शिकागो के प्रमुख मार्ग

यूनिक समय, वृंदावन। भारत में स्वतंत्रता दिवस का उत्साह भले ही थम गया हो, लेकिन विदेशों में रह रहे भारतीयों के दिलों में देशभक्ति का जज्बा आज भी कायम है। अमेरिका के शिकागो में फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशंस (एफआईए) के बैनर तले अप्रवासी भारतीय परिवारों ने स्वतंत्रता दिवस सप्ताह के समापन पर भव्य तिरंगा यात्रा निकाली। यात्रा में बड़ी संख्या में भारतीय परिवारों ने भाग लिया और देशभक्ति के नारों-गीतों से वातावरण को राष्ट्रप्रेम से सराबोर कर दिया। शिकागो के प्रमुख मार्गों से निकली तिरंगा यात्रा में भारतीय परिवार हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर देशभक्ति के गीत गाते हुए आगे बढ़े। यात्रा में विभिन्न आकर्षक झांकियां शामिल रहीं। लोगों ने भारत माता के चित्र के साथ शहीद भगत सिंह, स्वामी विवेकानंद, छत्रपति शिवाजी महाराज और सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे महापुरुषों के चित्र भी साथ लेकर चले। भागवत प्रवक्ता देवकीनंदन ठाकुर ने रैली में शामिल होकर भारतीय परिवारों के साथ राष्ट्रगान में सहभागिता की और भारत के प्रति अपनी निष्ठा जताई। उन्होंने कहा कि विदेशों में रहने वाले भारतीयों के दिलों में भारत आज भी बसा हुआ है। वे अपनी संस्कृति, परंपराओं और देश के प्रति प्रेम को मजबूती से संभाले हुए हैं। भागवत कथा के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण के प्रेम, भक्ति, धर्म और कर्म का संदेश देने वाले देवकीनंदन ने समारोह को आध्यात्मिक रंग भी प्रदान किया। उन्होंने भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा के महत्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर शिकागो स्थित इजरायल के कॉन्सुलेट जनरल एलाद स्ट्रोमायर, एफआईए के संस्थापक अध्यक्ष हेमंत पटेल, निदेशक संजय वोरा सहित अनेक विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे।

घंटाघर का ट्रांसफार्मर फुंका, महिलाओं ने लगाया जाम

24 घंटे से अधिक समय के बाद भी नही बदला

जाम लगने के बाद थमा यातायात, पुलिस ने खुलवाया

सड़क पर चारपाई डालकर लगाए गए जाम को खुलवाते पुलिस कर्मी।

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर के पुराना जीटी रोड स्थित घंटाघर चौराहे पर लगा ट्रांसफार्मर शुक्रवार की सुबह फुंक गया। इससे मुख्य बाजार, पंजाबी बाजार, हरदेवगंज सहित कई गली-मोहल्लों की बिजली गुल हो गई। 24 घंटे से अधिक समय के बाद भी ट्रांसफार्मर नहीं बदला गया तो शनिवार की दोपहर मोहल्ला हरदेवगंज की महिलाओं ने कस्बा पुलिस चौकी के पास पुराना जीटी रोड पर चारपाई बिछाकर जाम लगा दिया। इससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

महिलाओं ने बताया कि बिजली न आने से घरों में पानी खत्म हो गया है। भीषण गर्मी में बच्चों और बुजुर्गों का हाल बेहाल है। रातभर लोगों ने गर्मी में जाग कर गुजारी। महिलाओं का आरोप है कि उन्होंने बिजलीघर पर कई बार शिकायत की, लेकिन किसी ने भी उनकी शिकायत नहीं सुनी। विभाग के अधिकारी फोन तक नहीं उठा रहे हैं। सूचना पर कस्बा चौकी इंचार्ज दुष्यंत कौशिक पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद महिलाओं को समझा-बुझाकर जाम खुलवाया। इस दौरान महिलाओं ने विद्युत विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

फूलों के हिंडोले में विराजे राजाधिराज दर्शन पाकर श्रद्धालु हो गए निहाल

यूनिक समय,मथुरा। सावन माह में ठाकुर द्वारिकाधीश मंदिर में राजाधिराज ने शनिवार को फूलों के हिंडोले में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन दिए। एक झलक पाकर भक्त निहाल हो गए। भक्तों ने मंदिर परिसर जयकारों से गूंज उठा। मंदिर के मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी ने बताया कि मंदिर के सभी कार्यक्रमों का निर्धारण मंदिर के गोस्वामी वागीश कुमार द्वारा किया जाता है। उसी परंपरा के तहत आज राजाधिराज फूलों के हिंडोले में विराजमान हुए। उन्होंने बताया कि रविवार को सायं 5:10 बजे से 5:40 बजे तक राजाधिराज मखमल के हिंडोले में दर्शन देंगे।

फूलों के हिंडोले में विराजे राजाधिराज।